आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 334 | उज्जैन, शनिवार 25 अक्टूबर 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के अथक प्रयासों से प्रदेश में निवेश का नया कीर्तिमान

हर जिले में औद्योगिक निवेश की अपार संभावनाएं

भोपाल। मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास अब केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य के हर जिले में निवेश को सक्रिय रूप से लाने का काम किया है। उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर, नर्मदापुरम, शहडोल, सागर और रीवा में आयोजित क्षेत्रीय रीजनरल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव उद्योग सम्मेलन ने स्थानीय उद्यमियों और उद्योगपतियों को सीधे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों के साथ जोड़ा। मुख्यमंत्री ने जर्मनी, स्पेन और जापान सहित प्रमुख देशों के दौरे किए, जहाँ उन्होंने मध्यप्रदेश के औद्योगिक अवसरों और निवेश की संभावनाओं को वैश्विक मंच पर पेश किया। देश के प्रमुख औद्योगिक शहरों में रोड शो के माध्यम से निवेशकों को प्रदेश की सरल सुगम औद्योगिक नीतियों, योजनाओं और अवसरों से सीधे परिचित किया। इन पहलों से न केवल निवेश बढ़ा बल्कि उद्यमियों के लिए औद्योगिक अवसर और युवाओं के लिए रोजगार भी सृजित हुए।

औद्योगिक अधोसंरचना और प्रमुख परियोजनाएँ- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में औद्योगिक अधोसंरचना का विस्तार तेजी से हुआ है। राज्य के लगभग 85 प्रतिशत जिलों में औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए गए हैं, जो प्रत्येक जिले की विशेषताओं और क्षमताओं के अनुरूप हैं। सितंबर 2025 तक 33 हजार 450 हेक्टेयर में 139 औद्योगिक पार्क तैयार हो चुके हैं जो 2023 की तुलना में दोगुने से अधिक हैं। नए औद्योगिक क्षेत्रों के लिए 4 हजार 861 हेक्टेयर में 5,700 करोड़ रुपए, मौजूदा क्षेत्रों के उन्नयन के लिए 761.77 करोड़ रुपए, और विशेष सहायता योजना के तहत 5 हजार 165.36 करोड़ रुपए मूल्य की 43 परियोजनाएँ स्वीकृत हुई हैं।

उज्जैन में विक्रम उद्योगपुरी एक स्मार्ट औद्योगिक टाउनशिप के रूप में विकसित किया गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा हाल में शिलान्यास किए गए धार में पीएम मित्रा टेक्सटाइल पार्क टेक्सटाइल मूल्य श्रृंखला का आधार बन रहा है। सितापुर-मुरैना में मेगा लेदर और फुटवियर पार्क 162.70 हेक्टेयर में फैला निर्यातोन्मुख केंद्र बन गया है। नर्मदापुरम के मोहासा-बाबई में नवकरणीय ऊर्जा उपकरण निर्माण क्षेत्र में 17 हजार 750 करोड़ रु. का निवेश हुआ है, 21,777 रोजगार सृजित हुए और 514.50 एकड़ भूमि 22 इकाइयों को आवंटित की गई।

पेट्रोल पंप कर्मचारी को पीटने वाले SDM सस्पेंड, वीडियो वायरल होने के बाद सीएम का एक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान में एक एसडीएम छोटू लाल शर्मा को पेट्रोलपंप कर्मचारी को थप्पड़ मारना भारी पड़ गया। इस मामले में सीएम भजनलाल शर्मा ने एक्शन लिया है। एसडीएम को निलंबित कर दिया गया है।

अधिकारियों के अनुसार, भीलवाड़ा में एक ष्टह्लल पंप स्टाफ को थप्पड़ मारने के आरोप में एसडीएम को सस्पेंड किया गया है। इस थप्पड़कांड का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया।

राजस्थान के पर्सनल डिपार्टमेंट ने गुरुवार को एक आदेश पारित किया और एसडीएम छोटू लाल शर्मा को निलंबित कर दिया। शर्मा प्रतापगढ़ में सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट के पद पर तैनात थे। ऑर्डर में कहा गया है कि सस्पेंशन के दौरान शर्मा जयपुर में पर्सनल डिपार्टमेंट के सेक्रेटेरिएट से जुड़े रहेंगे।

क्यों हुआ ये एक्शन- गौरतलब है कि ये एक्शन तब लिया गया जब, बुधवार को छोटूलाल शर्मा और एक कर्मचारी के झगड़े का वीडियो सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ। कथित तौर पर एसडीएम ने पेट्रोलपंप कर्मचारी को थप्पड़ जड़ दिया। इसके बाद दोनों के बीच काफी बहस हुई।

दिल्ली के बाजारों में बम धमाके की साजिश नाकाम, ISIS के दो आतंकी गिरफ्तार

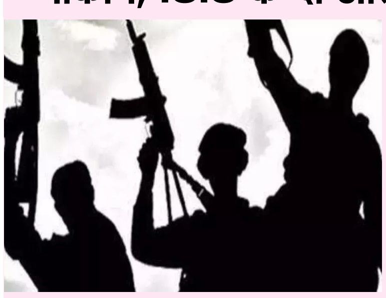

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में ISIS टेरर मॉड्यूल का भंडाफोड़ हुआ है। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने इस मॉड्यूल से जुड़े दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक, इस मॉड्यूल से जुड़े दो संदिग्ध गिरफ्तार किए जा चुके हैं। दोनों संदिग्ध आतंकवादियों में से एक दिल्ली का रहने वाला है। दूसरा मध्य प्रदेश का है।

बताया जा रहा है कि इन आतंकियों के पास से संदिग्ध सामान भी बरामद हुआ है। इस मॉड्यूल से जुड़े एक आतंकी की गिरफ्तारी भोपाल से हुई है। वहीं, दूसरे संदिग्ध की गिरफ्तारी दिल्ली से हुई है। दिल्ली के ज्यादा भीड़भाड़ वाले इलाके इन आतंकियों के टारगेट पर थे।

आतंकियों के पास से गोला-बारूद भी बरामद- शुरुआती जांच में सामने आया कि गिरफ्तार किए गए दोनों आतंकी आत्मघाती हमले के लिए ट्रेनिंग ले चुके थे। पुलिस ने बताया कि वे अपनी योजना के काफी करीब थे। इन दोनों आतंकियों के पास से गोला-बारूद भी बरामद किया गया है। गिरफ्तार किए गए संदिग्ध की पहचान अदनान के तौर पर हुई है।

UN का एक सदस्य आतंकी संगठनों का हितैषी, जयशंकर ने पहलगाम अटैक का जिक्र कर पाकिस्तान पर बोला हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र की 80वीं वर्षगांठ समारोह के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बहुपक्षवाद के सामने आने वाली चुनौतियों पर जोर दिया। उन्होंने आतंकवाद के प्रति संयुक्त राष्ट्र की प्रतिक्रिया और मौजूदा वैश्विक संकटों के बीच ग्लोबल साउथ के बढ़ते संकट पर चिंता जताई।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपराधियों को जवाबदेह ठहराने में अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं की बढ़ती विफलता की ओर इशारा करते हुए कहा कि आतंकवाद के प्रति संयुक्त राष्ट्र की प्रतिक्रिया से ज्यादा कुछ उदाहरण संयुक्त राष्ट्र के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में ज्यादा नहीं बताते। जब सुरक्षा परिषद का एक वर्तमान सदस्य उसी संगठन का खुलेआम बचाव करता है जो पहलगाम जैसे बर्बर आतंकवादी हमलों की जिम्मेदारी लेता है, तो इससे बहुपक्षवाद की विश्वसनीयता पर क्या असर पड़ता है?

उन्होंने आतंकवाद से निपटने में वैश्विक समुदाय की ईमानदारी पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर वैश्विक रणनीति के नाम पर आतंकवाद के पीड़ितों और अपराधियों को एक समान माना जाता है, तो दुनिया और कितनी निंदक हो सकती है? जब आतंकवादियों को प्रतिबंध प्रक्रिया से बचाया जाता है, तो इसमें शामिल लोगों की ईमानदारी का क्या मतलब है?

गौरतलब है कि एस जयशंकर की यह टिप्पणी 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले को लेकर आई है, जिसमें पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों ने 25 भारतीय नागरिकों और एक नेपाली नागरिक सहित 26 पर्यटकों की हत्या कर दी थी।

कन्नड़ भाषी क्रु मेंबर ने जीता बेंगलुरु यात्री का दिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु के एक युवक ने लंदन से बेंगलुरु की अपनी हाल के दिनों के यात्रों को लेकर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया है। बेंगलुरु के यात्री ने अपने परिवार के साथ लंदन से बेंगलुरु की यात्रा की। इस यात्रा के अनुभव को लेकर युवक ने सोशल मीडिया पर किए पोस्ट में लंदन से बेंगलुरु की यात्रा को आरामदायक और सुखद बनाने के लिए ब्रिटिश एयरवेज की प्रशंसा की है।

दरअसल, लंदन से बेंगलुरु की उड़ान में अमरनाथ शिवशंकर नाम के एक यात्री का अनुभव सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें यात्री ने 19 अक्टूबर, रविवार को अपने परिवार के साथ BA119 में की यात्रा के सुखद अनुभव को साझा किया है।

यात्री ने लंदन से बेंगलुरु की यात्रा के अनुभव को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'X' पर साझा करते हुए लिखा, मैंने 19 अक्टूबर, रविवार को अपने परिवार के साथ BA119 में लंदन से बेंगलुरु के लिए उड़ान भरी। कुल मिलाकर यह एक अद्भुत अनुभव था।

यात्री को क्या क्या अच्छा लगा- यात्री ने अपने पोस्ट पर उड़ाने से जुड़ी उन बातों का भी जिक्र किया, जो उसे सबसे अच्छी लगी। यात्री के अनुसार, कन्नड़ भाषी क्रू मेंबर निखिल भी थे, जो पूरी यात्रा के दौरान बेहद मददगार रहे। उन्होंने सुरक्षा निर्देशों की भी प्रशंसा की, जिनमें कन्नड़ भाषा में उपशीर्षक थे, ताकि भाषा से अपरिचित यात्री भी सुरक्षा संदेशों को आसानी से समझ सकें।

काली माता पंडाल में गाना बजाने को लेकर बवाल, युवक की चाकू मारकर हत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के सोनारपुर में काली पूजा पंडाल में गाना बजाने को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि एक बुजुर्ग ने बीमारी के कारण काली पूजा पंडाल में बज रहे सिस्टम को बंद करा दिया। जिसको लेकर विवाद शुरू हुआ। पुलिस ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि यह घटना तब हुई जब संतन नस्कर (30) ने हृदय रोग से पीड़ित एक बुजुर्ग पड़ोसी के कहने पर पंडाल का साउंड सिस्टम बंद कर दिया।

युवाओं का सशक्तिकरण सरकार की प्राथमिकता, रोजगार मेले में पीएम मोदी ने बांटे 51 हजार से अधिक नियुक्ति पत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को जगार मेले में नवनियुक्त युवाओं को 51 हजार से अधिक नियुक्ति पत्र सौंपे। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा किभाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार युवाओं को सशक्त बनाने के लिए काम कर रही है और देश की विदेश नीति भी युवाओं के हितों को ध्यान में रखकर बनाई जा रही है।

दरअसल, पीएम मोदी आज 17वें रोजगार मेले में नवनियुक्त युवाओं को 51 हजार से अधिक नियुक्ति पत्र सौंपे। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे युवा राष्ट्र है और इसके युवाओं की ताकत सबसे बड़ी संपत्तियों में से एक है।

पीएम मोदी ने कहा आगे कहा कि इसी विश्वास और आत्मविश्वास के साथ, हम हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं। यहां तक कि हमारी विदेश नीति भी भारत के युवाओं के हितों को ध्यान में रखकर बनाई जा रही है। हमारे राजनयिक जुड़ाव और वैश्विक समझौते युवाओं के प्रशिक्षण और रोजगार सृजन पर केंद्रित हो रहे हैं।

17वें रोजगार मेले के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि युवाओं को सशक्त बनाना भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार की प्राथमिकता है। देश भर में रोजगार मेलों के माध्यम से अब तक 11 लाख से ज्यादा नियुक्ति पत्र जारी किए जा चुके हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत ने कई यूरोपीय देशों के साथ निवेश साझेदारी की है, जिससे हजारों नए रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं। हमने निवेश बढ़ाने और स्टार्टअप्स व एमएसएमई को समर्थन देने के लिए ब्राजील, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया और कनाडा जैसे देशों के साथ कई समझौते भी किए हैं। ये सहयोग निर्यात को मज़बूत करेंगे और भारत के युवाओं के लिए विकास और अवसरों के नए रास्ते खोलेंगे।

पीएम मोदी ने कहा कि जीएसटी दरों में हालिया कमी देश में एक बड़े सुधार का प्रतीक है और इसका प्रभाव सिर्फ लोगों की बचत बढ़ाने से कहीं आगे तक गया है।अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार रोजगार और विकास के अवसरों का भी विस्तार कर रहे हैं।

ड्रग्स के खिलाफ ट्रंप की कार्रवाई से घबराए कोलंबियाई राष्ट्रपति, अमेरिका पर लगाया न्यायिक हत्याएं करने का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका की ट्रंप प्रशासन ने ड्रग तस्करी के खिलाफ एक्शन में है। इसके लिए वो लगातार कोलंबिया के मादक पदार्थ तस्करी करने वाली नौकाओं पर कार्रवाई कर रहे हैं। हाल ही में अमेरिकी प्रशासन ने कोलंबिया के तट के पास अंतराष्ट्रीय जल क्षेत्र में ड्रग तस्करी में शामिल एक नाव पर घातक हमला किया।

इसको लेकर कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो अमेरिका पर अंतर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करते हुए न्यायिक हत्याएं करने का आरोप लगाया।

वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप का कहना है कि वह मादक पदार्थ तस्करी करने वाली नौकाओं पर हमला करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। कोलंबिया के वामपंथी राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने डोनल्ड ट्रंप के मादक पदार्थ विरोधी हवाई हमलों की निंदा करनी शुरू कर दी। पेट्रो ने करोड़ों डॉलर की सहायता राशि रोकने की अमेरिकी धमकियों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने मेरी निंदा की है और कोलंबिया का अपमान किया है।

2 महीने में 9 हजार जहाज नष्ट- अमेरिका की ट्रंप प्रशासन के अनुसार, अमेरिका ने दो महीने से भी कम समय में नौ जहाजों को नष्ट कर दिया है। इस कार्रवाई ने कम से कम 37 लोगों की जान ले ली है। कोलंबिया ने सार्वजनिक रूप से मांग की है कि वाशिंगटन हमले रोके। इसको लेकर ट्रंप में नाराजगी देखने को मिल रहा है। ट्रंप ने पेट्रो को ठग और मादक पदार्थों का तस्कर करार दिया है।

मृतकों में कोलम्बियाई मछुआरा शामिल- कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने कहा कि मौत के आकड़े टैक्सी मीटर की तरह बढ़ते जा रहे हैं। मृतकों में एक कोलम्बियाई नागरिक भी शामिल है, जो एक मछुआरा था, इसके बारे में पेट्रो ने अब स्वीकार किया है कि वह गरीबी से बचने के लिए समय-समय पर मानव तस्करी में शामिल हो गया था।

अमेरिकी सहायदा बंद- गौरतलब है कि ट्रंप ने मादक पदार्थ तस्करी पर कार्रवाई करते हुए कोलंबिया को दी जाने वाली करोड़ों डॉलर की अमेरिकी सहायता बंद करने की घोषणा की है और कोलंबियाई वस्तुओं पर टैरिफ लगाने की धमकी दी है।

क्या होता है मूनलाइटिंग जिससे US में भारतीय ने कमाए 40 लाख रुपये? हो गई 15 साल की जेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मूल के न्यू यॉर्क निवासी मेहुल गोस्वामी मूनलाइटिंग के चक्कर में 15 साल के जेल की सजा सुनाई गई है। मेहुल पर आरोप है कि उसने एक निजी नियोक्ता के लिए उसी समय काम किया, जिस समय उन्हें एक राज्य कर्मचारी के रूप में अपनी जिम्मेदारियां निभानी थीं। इस दौरान उसने करीब 40 लाख रुपये कमाए।

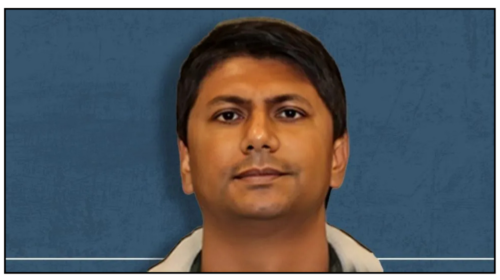

दरअसल, भारतीय मूल के मेहुल गोस्वामी कथित तौर पर न्यूयॉर्क राज्य कार्यालय के लिए दूरस्थ रूप से काम कर रहे थे। यह गोस्वामी की प्राथमिक नौकरी थी। लेकिन इसके साथ ही उन्होंने मार्च 2022 से माल्टा में एक सेमीकंडक्टर कंपनी ग्लोबलफाउंड्रीज़ के लिए एक ठेकेदार के रूप में काम करना शुरू कर दिया।

अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, कथित तौर पर एक गुमनाम ईमेल के आधार पर गोस्वामी के खिलाफ जांच शुरू की गई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उन्होंने एक निजी नियोक्ता के लिए उन्हीं घंटों में काम किया, जब उन्हें एक राज्य कर्मचारी के रूप में अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करना था।

सीबीएस 6 न्यूज की एक रिपोर्ट के अनुसार, महानिरीक्षक लूसी लैंग ने कहा, सरकारी कर्मचारियों को ईमानदारी से काम करने की जिम्मेदारी सौंपी जाती है, और मेहुल गोस्वामी का कथित आचरण उस भरोसे का गंभीर उल्लंघन है। राज्य के लिए काम करने का दावा करते हुए दूसरी पूर्णकालिक नौकरी करना करदाताओं के पैसे सहित सार्वजनिक संसाधनों का दुरुपयोग है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में सुरक्षाबलों का स्पेशल ऑपरेशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शुक्रवार को एक इंटेलीजेंस बेस्ड ऑपरेशन को दौरान आठ टीटीपी आतंकवादी मारे गए और पांच घायल हो गए हैं। यह अभियान लक्की मरवत जिले के वांडा शेख अल्लाह इलाके में चलाया गया।

पुलिस ने बताया कि इस अभियान में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के आठ आतंकवादी मारे गए और पांच अन्य घायल हो गए।

एक अलग घटना में, अज्ञात हमलावरों ने शुक्रवार को दक्षिणी वजीरिस्तान की सीमा से लगे टैंक जिले में एक नवनिर्मित सरकारी बालिका प्राथमिक विद्यालय में विस्फोट कर दिया। पुलिस ने बताया कि यह घटना सियाल गुल कोरोना के गारा बुद्धा गांव में हुई। गनीमत रही कि विस्फोट के समय इमारत खाली थी, जिस कारण किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

सुरक्षा अधिकारियों को शक है कि इस क्षेत्र में शिक्षा और साक्षरता, खासकर लड़कियों की शिक्षा, के विकास में बाधा डालने के इरादे से उग्रवादियों ने हमले को अंजाम दिया। अभी तक किसी भी समूह ने स्कूल बम विस्फोट की जिम्मेदारी नहीं ली है।

भारत के बाद पाकिस्तान पर तालिबान की वाटर स्ट्राइक, कुनार नदी पर बांध बनाकर पानी रोकने का एलान

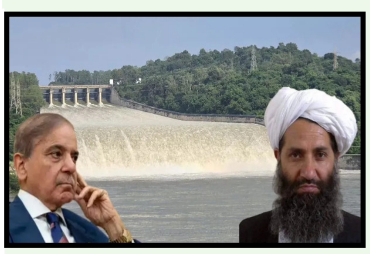

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान ने भारत से सीख लेते हुए पाकिस्तान के खिलाफ वाटर स्ट्राइक करने का फैसला किया है। तालिबान सरकार ने भारत की रणनीति अपनाते हुए कुनार नदी पर जितनी जल्दी हो सके बाँध बनाकर पाकिस्तान की पानी तक पहुंच को सीमित करने का फैसला किया है। तालिबान के कार्यवाहक जल मंत्री मुल्ला अब्दुल लतीफ मंसूर ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि अफगानों को अपने पानी के प्रबंधन का अधिकार है। बांध के निर्माण का नेतृत्व विदेशी कंपनियों के बजाय अब घरेलू कंपनियां करेंगी। ये आदेश सर्वोच्च नेता मौलवी हिबतुल्लाह अखुंदजादा ने दिया है।

पाकिस्तान से निपटने के लिए एक्शन में तालिबान- मौलवी हिबतुल्लाह अखुंदजादा की ओर ये दिया गया यह आदेश तालिबान की उस तात्कालिकता को दर्शाता है जो उसे डूरंड रेखा, यानी पाकिस्तान के साथ विवादित 2,600 किलोमीटर लंबी सीमा पर हिंसा से निपटने के लिए है। जब इस्लामाबाद ने इस महीने काबुल पर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान का समर्थन करने का आरोप लगाया था, जिसे तालिबान ने एक आतंकवादी समूह करार दिया था।

एवरेस्ट के डेथ जोन में फंसी ऑस्ट्रेलियाई लड़की, खौफनाक वीडियो वायरल

नई दिल्ली (एजेंसी)। माउंट एवरेस्ट के डेथ जोन से ऑस्ट्रेलियाई किशोरी बियांका एडलर का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह शिखर के करीब पहुंचने के बाद कठिन परिस्थितियों में फंसी हुई दिखाई दे रही है। वीडियो में बियांका की हालत देखकर लोग हैरान हैं और सोशल मीडिया पर उसके साहस की सराहना कर रहे हैं। दरअसल, ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न की 17 वर्षीय बियांका एडलर ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो के कैप्शन में बियांका एडलर ने लिखा कि कैंप 4 में तीन रातें बिताने और खराब मौसम के कारण दो बार शिखर पर चढ़ने की असफल कोशिशों के बाद, मैं बेस कैंप वापस आ गई। मुझे कई अलग-अलग कारणों से बहुत बुरा लग रहा था।

बता दें कि ऑस्ट्रेलियाई किशोरी बियांका एडलर इसी साल मई में माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने की कोशिश की थी। वह शिखर से लगभग 400 मीटर नीचे, 8,450 मीटर की ऊंचाई तक पहुंच गई थीं। इसके बाद वो डेथ जोन में फंस गई और खराब मौसम के चलते कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा और वापस आना पड़ा।

सांस लेने में हो रही दिक्कत- माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई के दौरान बेस कैंप पहुंचने के बाद रिकॉर्ड किए गए वीडियो में बियांका को सांस लेने में तकलीफ महसूस हो रही हैं। बर्फीली हवाओं के चलते उनका चेहरा लाल और सूजा हुआ दिखाई दे रहा है। इस भयावह वीडियो में वह कहती हैं, ÷मैं अभी-अभी कैंप 2 से लौटी हूं। मैं बेस कैंप में हूं और मुझे बहुत बुरा लग रहा है। मेरी गर्दन, गला और फेफड़े बहुत दर्द कर रहे हैं... मेरी सांस फूल रही है।

अमेरिका और वेनेजुएला के बीच बढ़ा तनाव, बॉर्डर पर दिखे B-1 बमवर्षक

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका और बेनजुएला के बीच लगातार तनाव बढ़ रहा है। इस बीच अमेरिकी मिलिट्री ने कैरीबियाई सागर और वेनेजुएला के तट पर आकाश में एक सुपरसोनिक और भारी बमवर्षक विमान उड़ाए। रिपोर्ट्स में किए गए इस दावे को अमेरिकी राष्ट्रपति ने झूठा करार दिया है।

दरअसल, यह एक हफ्ते में ऽ मिलिट्री एयरक्राफ्ट का दूसरा ऐसा ताकत का प्रदर्शन था। ध्यान देने वाली बात है कि बॉम्बर की यह उड़ान ऐसे समय पर हुई है, जब वाशिंगटन इस इलाके में कथित ड्रग तस्करों के खिलाफ मिलिट्री कैंपेन चला रहा है।

गुरुवार को B-1B ने भरी उड़ान- बताया जा रहा है कि ट्रैकिंग वेबसाइट Flightradarwy के एक डाटा से पता चला है कि गुरुवार दोपहर को एक B-1B वेनेजुएला के तट की ओर उड़ान भर रहा था। इसके बाद उसने यू टर्न लिया और फिर वापस चला गया, जिसके बाद नहीं दिखाई दिया।

हालांकि, व्हाइट हाउस में एक कार्यक्रम के दौरान जब ट्रंप ने पूछ गया कि अमेरिका ने वेनेजुएला के पास B-1B भेजे हैं, तो उन्होंने कहा कि यह गलत है और यह भी कहा कि मेरिका कई वजहों से वेनेजुएला से खुश नहीं है।

इस बमवर्षक विमान की यह नई उड़ान US के B-52 बॉम्बर्स के वेनेजुएला के तट के पास कई घंटों तक चक्कर लगाने के लगभग एक हफ्ते बाद हुई है।

ट्रंप ने कनाडा के साथ सभी ट्रेड टॉक की बंद, टीवी विज्ञापन पर क्यों भड़के अमेरिकी राष्ट्रपति?

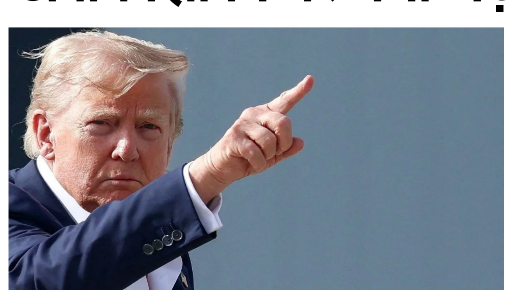

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप एक बार फिर कनाडा पर भड़क उठे हैं। उन्होंने कनाडा के साथ सभी व्यापार वार्ताएं बंद करने का भी एलान किया है। ट्रंप का दावा है कि कनाडा के एक टीवी चैनल के विज्ञापन पर अमेरिका के टैरिफ का विरोध किया जा रहा है।

गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि कनाडा में टीवी चैनल पर अमेरिका के टैरिफ को गलत ठहराया जा रहा है, इस स्थिति में वह कनाडा के साथ सभी ट्रेड वार्ता को समाप्त कर रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि विज्ञापन के माध्यम से अमेरिकी अदालतों के फैसलों को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है।

कनाडा- अमेरिका में बढ़ सकता है ट्रेड तनाव - गौरतलब है कि ट्रंप की ये टिप्पणी कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के उस बयान के बाद आया जिसमें उन्होंने कहा था कि ट्रंप के टैरिफ से पैदा हुए खतरे के कारण वह ऽ के बाहर के देशों को अपने देश के एक्सपोर्ट को दोगुना करने का लक्ष्य बना रहे हैं। ट्रंप के अचानक बातचीत बंद करने के फैसले पर दोनों पड़ोसी देशों के बीच महीनों से बन रहे ट्रेड तनाव और बढ़ सकते हैं।

ट्रंप ने अपनी पोस्ट में क्या कहा- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने अपनी पोस्ट में कहा कि रोनाल्ड रीगन फाउंडेशन ने अभी घोषणा की है कि कनाडा ने धोखे से एक ऐड का इस्तेमाल किया है, जो स्न्नयश्च है, जिसमें रोनाल्ड रीगन टैरिफ के बारे में नेगेटिव बातें कर रहे हैं।

सॉरी मुझसे गलती हो गई, दीवाली से जुड़ी पोस्ट पर महुआ मोइत्रा को क्यों मांगनी पड़ी माफी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल से टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा एक नये विवाद में घिर गई हैं। मोइत्रा को एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर दीवाली को लेकर किए गये कमेंट के चलते ट्रोल किया गया। इस पोस्ट में पश्चिमी देशों में रहने वाले भारतियों को लेकर नस्लीय टिप्पणी की गई थी। विवाद को बढ़ता देख मोइत्रा ने तुरंत अपनी गलती मानी और ट्रोलर्स से माफी भी मांग ली।

महुआ ने एक अन्य ट्वीट में लिखा, मैं बस यह साफ कर रही हूं कि मेरे ट्विटर फीड पर बहुत सारे वीडियो/पोस्ट आते रहते हैं। उस कमेंट से मेरा मतलब था कि मैं किसी इन्फ्लुएंसर द्वारा किए गये नस्लवादी पोस्ट के ठीक नीचे वाले एक अन्य वीडियो से सहमत थी। ये मेरी गलती है। फिलहाल अभी यात्रा कर रही थी और अभी तक चेक नहीं किया। मुझे बताने के लिए @RShivshankar का धन्यवाद, लेकिन यह सचमुच एक गलती थी। माफ कीजिए।

क्या था पूरा मामला- महुआ मोइत्रा ने एक एक्स पोस्ट के कमेंट बॉक्स में 'Agreed' लिखा दिया था। इस पोस्ट में दीवाली मनाने के लिए विदेश में रहने वाले भारतीयों की आलोचना की गई थी। पोस्ट में लिखा था, ठीक इसी तरह, हमने उन बुद्धिहीन भारतीयों को अपने खूबसूरत देशों को उनके घटिया दीवाली कचरे से पूरी तरह गंदगी के ढेर में बदलने दिया है, जिसका हमसे कोई लेना-देना नहीं है।

इस पोस्ट को एक्स पर NATE नाम के यूजर ने पोस्ट किया था। विडियो में पटाखों के अवशेषों से भरी सड़कों पर तेज गति से दौड़ रही कारों से भारतीय चिल्ला रहे थे।

अबकी बार मोदी सरकार और फेविकोल का जोड़ लिखने वाले ऐड गुरु पीयूष पांडे का निधन

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन एडवरटाइजिंग इंडस्ट्री के दिग्गज पीयूष पांडे का 70 साल की उम्र में निधन हो गया। पीयूष भारतीय विज्ञापन जगत की आवाज, मुस्कान और क्रिएटिविटी का चेहरा थे। जिन्होंने चार दशकों से अधिक समय तक ओगिल्वी इंडिया में काम किया और विज्ञापन जगत को बदल दिया। दरअसल, पीयूष पांडे के निधन की जानकारी स्तंभकार सुहेल सेठ ने अपने एक्स एकाउंट के माध्यम से देते हुए शोक जताया। उन्होंने लिखा है, मेरे सबसे प्यारे दोस्त पीयूष पांडे जैसे प्रतिभाशाली व्यक्ति के निधन से मैं बेहद दुखी और स्तब्ध हूं।

भारत ने एक महान विज्ञापन जगत की हस्ती नहीं, बल्कि एक सच्चे देशभक्त और एक बेहतरीन सज्जन को खोया है। अब जन्नत में भी गूंजेगा मिले सुर मेरा तुम्हारा।

पीयूष पांडे ने 1982 में ओगिल्वी एंड माथर इंडिया (अब ओगिल्वी इंडिया) के साथ अपने विज्ञापन करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने एक प्रशिक्षु खाता कार्यकारी के रूप में शुरुआत की और फिर रचनात्मक क्षेत्र में कदम रखा। अपनी प्रतिभा से उन्होंने भारतीय विज्ञापन जगत की तस्वीर ही बदल दी।

बाइक से टक्कर के बाद शॉर्ट सर्किट और जाम हो गए दरवाजे... वोल्वो के अंदर फंसे रह गए 20 यात्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के कुरनूल में हैदराबाद से बेंगलुरु जा रही एक स्लीपर बस में भीषण आग लग गई। जिसके कारण 20 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। यह दर्दनाक हादसा बस के बाइक से टकराने के बाद हुआ। बस में करीब 41 यात्री सवार थे। जिसमें से कुछ ने आपातकालीन खिड़की से कुदकर अपनी जान बचाई।

आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले के चिन्ना टेकुरु गांव के पास शुक्रवार सुबह यह भीषण बस हादसा हुआ। जब प्राइवेट कावेरी ट्रैवल्स बस एक बाइक से टकरा गई और बस में आग लग गई। यह आग कुछ ही मिनटों में भड़क उठी। जिसके कारण बस का दरवाजा जाम हो गया। इस दौरान कई यात्री बस में फंस गए , इसमें कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई।

वहीं, कुछ यात्री आपातकालीन खिड़कियों से भागने में सफल रहे। जिनमें से कुछ तेजी से भागने में सफल रहें। वहीं, अन्य लोग आग के कारण बस में ही फंसे रह गए और उनकी जलकर दर्दनाक मौत हो गई।

बस हादसे के बाद से पुलिस प्रशासन की टीम घटनास्थल पर मौजूद है। बस में आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। शुरुआती जांच में पता चला है कि बस ने एक बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक वाहन के नीचे चली गई और उसमें आग लग गई, जिसके कारण बस में विस्फोट हो गया।

एक परीक्षा में चूकना, अवसरों का छूटना नहीं, नंदन नीलेकणि ने बताया कैसे बने इंफोसिस के को-फाउंडर

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक परीक्षा का छूट जाना हमेशा एक अवसर का छूट जाना नहीं होता और शायद ये बात नंदन नीलेकणि से बेहतर कोई नहीं समझ सकता। नीलेकणि आईआईएम के एंट्रेंस एग्जाम देने से चूक गए, लेकिन यही चूक उनके जीवन की सबसे बड़ा निर्णय साबित हुई।

ग्रो के साथ एक इंटरव्यू में नीलेकणि ने बताया कि आईआईटी बॉम्बे से ग्रेजुएट होने के बाद उनका आईआईएम में एंट्रेंस एग्जाम देने का इरादा था, लेकिन उन्होंने परीक्षा नहीं दी क्योंकि उस दिन उनकी तबीयत ठीक नहीं थी। उन्होंने कहा कि वह इसलिए बीच में फंसे रहे क्योंकि वह SAT या GMAT के लिए आवेदन करने में बहुत आलसी थे।

नीलेकणि ने बताया कि कैसे उन्हें मुंबई स्थित एक छोटी सी टेक फर्म, पटनी कंप्यूटर सिस्टम्स के बारे में जानकारी मिली, जो उस समय ऑनलाइन कंप्यूटर चलाती थी, जो एक दुर्लभ बात थी। उन्होंने कहा, मैंने पटनी कंप्यूटर सिस्टम्स नाम की इस छोटी सी कंपनी के बारे में सुना था। हुआ यूं कि 1977 में आईबीएम भारत छोड़कर चली गई। इसलिए, यहां एक तरह का खालीपन था, इसलिए पटनी भारत में डिजिटल डेटा जनरल के एजेंट थे।

नारायण मूर्ति से नंदन नीलेकणि की मुलाकात- जिसके बाद मैंने नरीमन पॉइंट में एक कंपनी ज्वाइन की, अपने भावी साथी और तत्कालीन इंजीनियर एनआर नारायण मूर्ति से मुलाकात की, और एक चुनौती का समाधान करने पर मुझे नौकरी का प्रस्ताव मिला। उस सौभाग्यशाली मुलाकात ने 1981 में इंफोसिस की स्थापना का रास्ता साफ किया।

इंफोसिस नारायण मूर्ति का विचार था- नीलेकणि- नीलेकणि ने बताया कि इंफोसिस का नारायण मूर्ति ने ही मूल विचार प्रस्तुत किया था। वह हमेशा से एक कंपनी शुरू करना चाहते थे। इसलिए, हम उनके साथ जुड़ गए। हम सभी ने उनके लिए काम किया। और हमने इंफोसिस की शुरुआत की। नीलेकणि के निर्देशन में व्यवसाय का तेजी से विस्तार हुआ और इसका सबसे तेजी से विकास करने वाला दौर उनके सीईओ कार्यकाल के दौरान आया।

साइबर फ्रॉड 3 दिन में बता दिया तो जवाबदेही बैंक की होगी, लोन और सेटलमेंट को लेकर क्या हैं नए नियम?

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगामी कुछ महीनों में बैंक के कामकाज में कई बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक ने 238 बैंकिंग नियमों का एक ड्राफ्ट जारी किया है। इस पर जनता से 10 नवंबर तक सुझाव मांगे हैं। आरबीआई के पूर्व गवर्नर आर गांधी ने बताया कि नियामक कानूनों में सुधार को लेकर पहली बार ड्राफ्ट जारी कर जनता से सुझाव मांगे जा रहे हैं।

कब से लागू होंगे नए नियम- भारतीय रिजर्व बैंक ने जिन 238 बैंकिंग नियमों का ड्राफ्ट जारी किया है, वे नए नियम साल 2026 की शुरुआत से लागू होंगे। आरबीआई के प्रस्तावित सुधारों के तहत साइबर फ्रॉड के मामलों में यदि ग्राहक तीन दिन में जानकारी दे देता है तो उसकी जवाबदेही शून्य होगी। इसके बावजूद अगर बैंक समय पर कार्रवाई नहीं करते हैं तो उन पर 25,000 रुपये तक जुर्माना लगाया जा सकता है। वहीं चोरी या लापरवाही की स्थिति में बैंक को लॉकर किराये का 100 गुना तक हर्जाना भरना होगा।

लोन ब्याज दर तय करने में एक समान फॉर्मूला लागू होगा। सभी लोन पर प्रीपेमेंट पेनाल्टी खत्म होगी। 70 वर्ष से अधिक उम्र के ग्राहकों को घर बैठे बैंकिंग सुविधा मिलेगी। इन सुझावों पर विचार करने के बाद 1 जनवरी से 1 अप्रैल 2026 तक ये सारे नियम लागू हो जाएंगे।

किस खाते की कब होगी केवाईसी- सामान्य खातों की केवाईसी 10 साल में एक बार।

मध्यम जोखिम वालों की 8 साल में एक बार।

उच्च जोखिम वालों की हर 2 साल में करनी होगी।

केवाईसी आउटसोर्स- बैंक खुद केवाईसी करेंगे, न कि कोई एजेंसी। अभी तक कई बैंक आउटसोर्स से कराते हैं। इससे ग्राहक डेटा अधिक सुरक्षित रहेगा।

अपने देश में कट्टरपंथी संगठनों को जूतों तले रौंद रहा दोगला पाकिस्तान, बांग्लादेश में इन्हें क्यों दे रहा बढ़ावा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान ने तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) पर प्रतिबंध लगा दिया है, जो इस बात का इशारा है कि पाकिस्तान को अपनी जमीन पर धार्मिक एजेंडा चलाने वाले कट्टरपंथी तत्वों से निपटने में बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। टीएलपी सदस्यों की ओर से निकाला जा रहा गाजा सॉलिडेरिटी मार्च बेहद हिंसक हो गया है। खासकर मुरीदके में सुरक्षा बलों के साथ झड़पें हिंसक हो गई और कई लोगों की मौत हो गई।

टीएलपी का गठन पाकिस्तान ने ही किया था लेकिन हाल के कुछ सालों में अपने धार्मिक एजेंडे को आगे बढ़ाने की कोशिश में हिंसक प्रदर्शन करने लगी है। पाकिस्तान में टीटीपी और टीएलपी जैसे कई ग्रुप सरकार के खिलाफ हो गए हैं क्योंकि इनका मानना है कि इस्लामाबाद देश को इस्लामिक देश बनाने की नीति नहीं अपना रहा है।

हाल के महीनों में हिज्ब-उत-तहरीर जैसे ग्रुप गाजा मुद्दे पर पाकिस्तान के स्टैंड के बारे में खुलकर बोल रहे हैं। गाजा मुद्दे पर पाकिस्तान अमेरिका के स्टैंड का समर्थन कर रहा है और यह बात इन संगठनों को पसंद नहीं आई है। हालांकि, विश्लेषकों का मानना है कि पाकिस्तान उन कट्टरपंथी संगठनों के प्रति जीरो टॉलरेंस पॉलिसी अपना रहा है जो शरिया कानून के तहत चलने वाले इस्लामिक स्टेट को लागू करने पर जोर देते हैं।

पाकिस्तान का दोहरा रवैया उजागर- पाकिस्तान में ऐसे संगठनों पर कार्रवाई हो रही है, लेकिन जब बांग्लादेश की बात आती है तो इस्लामाबाद एक इस्लामिक स्टेट बनाने और लोगों से शरिया कानून मानने पर जोर दे रहा है। जमात-ए-इस्लामी और उसके कठपुतली मुहम्मद यूनुस के जरिए आईएसआई ऐसे कड़े कानून लागू करने की कोशिश कर रही है जिसके लिए इस्लाम को और सख्ती से मानना जरूरी है।

दैनिक हिन्दकुश
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
hindkush.in
24x7 News portal
हिन्दकुश
info@hindkush.in
jagrayam.com
online news magazine
जागृयाम
info@jagrayam.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल चतुर्थी

संपादकीय

भारत की चिकित्सा कक्षाएं पहले से कहीं अधिक भरी हुई हैं

भारत की चिकित्सा कक्षाएं पहले से कहीं अधिक भरी हुई हैं। अक्टूबर 2025 में एक बार ही राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग ने 10,650 एमबीबीएस सीटों और 41 नए मेडिकल कॉलेजों को मंजूरी दी, जिससे देश की कुल संख्या लगभग 816 कॉलेजों में 1,37,600 हो गई। यह स्नातक चिकित्सा प्रवेश के लिए भारत का सबसे बड़ा एकल वर्ष है।

लेकिन लंबी धनुष भी मायने रखता है। राज्यसभा के एक उत्तर में बताया गया है कि एमबीबीएस सीटें 2013-14 में लगभग 51,348 से बढ़कर 2024-25 में 1,18,137 हो गई, जो कॉलेजों की तुलना में लगभग दोगुनी और एक दशक में चिकित्सा सीटों की संख्या से अधिक हैं। यह तेजी से वृद्धि हालिया समाचारों की व्याख्या करती है, लेकिन इससे दैनिक वास्तविकता नहीं बदलती। सरकारी मेडिकल कॉलेज की वांछित सीट पाने के इच्छुक छात्रों के लिए प्रतिस्पर्धा क्रूर बनी हुई है।

इसका उत्तर भाग संख्याएं और हिस्सा संरचना है, जिसमें भूगोल और धन की बड़ी मात्रा डाली जाती है।

सरल मैथ यहां स्पष्ट अंकगणित है जो विकल्पों को आकार देती है। नीट-यूजी 2024 में लगभग 1.18 लाख एमबीबीएस सीटों के लिए 24 लाख से अधिक पंजीकृत उम्मीदवार प्रतिस्पर्धा कर रहे थे - लगभग 59,782 सरकारी कॉलेज सीटें और 58,366 निजी और मान्यता प्राप्त मेडिकल कॉलेज सीटें। यह प्रत्येक एमबीबीएस सीट के लिए लगभग 20 छात्र प्रतिस्पर्धा करते हैं।

जब आप इसे कम लागत वाली सरकारी सीटों तक सीमित करते हैं, जो सबसे सस्ती और मूल्यवान होती हैं, तो दबाव बहुत अधिक होता है - कई श्रेणियों में आप एक सरकारी चिकित्सा सीट के लिए लगभग 40 आवेदकों से लड़ रहे होते हैं। यही कारण है कि शीर्ष रैंक बहुत महत्वपूर्ण हैं। अब इसे इंजीनियरिंग से तुलना करें। एआईसीटीई द्वारा 2024-25 में बीटेक के लिए अनुमोदित आवंटन लगभग 14.9 लाख सीटों पर था, जिसमें लगभग 4.47 लाख सरकारी कॉलेज सीटें (केंद्रीय + राज्य + सरकार-समर्थित + यूनिव विभाग) और 10.43 लाख निजी इंजीनियरिंग कॉलेज सीटें शामिल थीं।

यह एमबीबीएस की मात्रा से कई गुना अधिक है।

बड़ी इंजीनियरिंग सीट पूल, जेईई मेन जैसे कई प्रवेश मार्गों, राज्य सीईटी, विश्वविद्यालय-विशिष्ट परीक्षण (बीआईटीएसएटी, वीआईटीईई आदि) या पार्श्व-प्रवेश मार्गों के साथ मिलकर, इसका मतलब है कि हर वर्ष बहुत से अधिक छात्र कुछ इंजीनियरिंग सीट पा रहे हैं।

छात्र अक्सर कई इंजीनियरिंग परीक्षाएं लेते हैं और सार्वजनिक, निजी या विश्वविद्यालय विभागों सहित विभिन्न कॉलेजों को स्वीकार करते हैं जो अंततः इंजीनियरिंग सीट की कमी का एहसास कम कर देते हैं।इस वर्ष उपलब्ध 14.9 लाख बीटेक सीटों में से 12.53 लाख सीटें भरी गईं, जो आठ वर्षों की उच्चतम संख्या है। इसका मतलब यह है कि बीटेक सीटों की आपूर्ति वर्तमान छात्र मांग से अधिक है, हालांकि अत्यधिक वांछित कॉलेजों और शाखाओं के लिए प्रतिस्पर्धा तीव्र बनी हुई है। इससे पता चलता है कि दवाओं के लिए मांग-उपलब्धता अनुपात 20:1 है, लेकिन कई इंजीनियरिंग मार्गों के लिए यह 1:1 से बहुत करीब है। प्रतिस्पर्धा में अंतर स्पष्ट है।

गणित केवल इंजीनियरों को बहुत पसंद करता है। लेकिन संख्याओं के अलावा, कुछ अन्य कारक भी हैं जो मेडिकल कॉलेज सीटों की तीव्र प्रतिस्पर्धा को प्रभावित करते हैं। मेडिकल कॉलेज चलाने के लिए महंगे हैं। एमबीबीएस सीटें बनाने के लिए आपको एक शिक्षण अस्पताल, न्यूनतम बिस्तर क्षमता, विशेषज्ञ विभाग और बहुत सारे संकाय की आवश्यकता होती है।

पाण्डुरंग शास्त्री अठावले

पाण्डुरंग शास्त्री अठावले अथवा अठावले पाण्डुरंग शास्त्री भारत के प्रसिद्ध आध्यात्मिक गुरु, समाज सुधारक तथा दार्शनिक थे। पाण्डुरंग अठावले को दादा (बड़ा भाई) के नाम से भी जाना जाता था। उन्होंने समाज में स्वाध्याय के माध्यम से आत्म चेतना जगाने का आदर्श स्थापित करने की कोशिश की तथा समाज सुधार आंदोलन भी चलाया। अठावले ने युक्तिपूर्वक वेदों, उपनिषदों तथा हिंदू संस्कृति की आध्यात्मिक शक्ति को पुनर्जाग्रत किया तथा आधुनिक भारत के सामाजिक रूपांतरण में उस ज्ञान तथा विवेक का प्रयोग सम्भव बनाया। वर्ष 1999 में भारत सरकार ने दादा पाण्डुरंग को पद्म विभूषण से सम्मानित किया था।

जन्म तथा शिक्षा

अठावले का जन्म 19 अक्टूबर 1920 को मुम्बई के पास रोहा में एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। धार्मिक प्रवृत्तियों से परिपूर्ण पाण्डुरंग के परिवार में विद्वत्ता की परम्परा थी और उसी को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने भी संस्कृत भाषा का ज्ञान प्राप्त किया और हिंदू ग्रंथों के अध्ययन में लग गए। पाण्डुरंग ने अपनी स्व-प्रेरणा से स्वाध्याय आंदोलन चलाया, जो भगवद्गीता पर आधारित था।

इसी स्वाध्याय के आधार पर पाण्डुरंग ने युक्ति निकाली कि इससे सामाजिक, आर्थिक व्यवस्थाओं का समुचित समाधान किया जा सकता है। पाण्डुरंग ने स्वाध्याय से अनुभव और परिपक्वता का सम्बन्ध जोड़ते हुए समाज में इसका महत्व प्रचारित किया तथा बहुत सी समस्याओं का हल प्रस्तुत किया।

दूसरा विश्व धर्म सम्मेलन

1954 में पाण्डुरंग को शिम्सु जापान में दूसरा विश्व धर्म सम्मेलन में भाग लेने का अवसर मिला। वहाँ इस सम्मेलन में इन्होंने वैदिक ज्ञान तथा जीवन दर्शन के महत्व पर व्याख्यान दिया तथा उसे अपनाए जाने पर जोर दिया। वहाँ उस सभा में उनसे एक श्रोता ने प्रश्न किया, आपके देश में क्या कोई एक भी सम्प्रदाय ऐसा है, जो इन आदर्शों तथा जीवन-दर्शन को जीवन व्यवहार में अपनाए हुए है....? इस प्रश्न ने अठावले को परेशान कर दिया। वह चुपचाप वहाँ से लौट आए तथा उन्होंने स्वदेश आकर भारतीय जीवन की वर्तमान तथा प्रासंगिक स्थिति पर विचार तथा चर्चा करनी शुरू कर दी।

विद्यालय की स्थापना

पाण्डुरंग ने 1956 में एक विद्यालय की स्थापना की, जिसका नाम, तत्व ज्ञान विद्यापीठ रखा। इस स्कूल में उन्होंने भारत के आदिकालीन ज्ञान तथा पाश्चात्य ज्ञान, दोनों का समन्वय रखा।

वह लगातार भ्रमण करते हुए जन संपर्क में लग गए। वह युवा जिज्ञासु लोगों से मिलते रहे। इन्होंने डॉक्टरों, इंजीनियरों, वकीलों, तथा उद्योगपतियों से बात की तथा उन्हें स्वाध्याय के माध्यम से आत्मा चेतना जगाने का संदेश दिया। उन्होंने समाज में यह आदर्श स्थापित करने की कोशिश की, कि लोग अपने व्यस्त जीवन से कुछ समय निकाल कर ईश्वर का ध्यान करें तथा भक्ति भाव अपनाएँ।

दादा के रूप में सम्बोधन

अठावले के इस आह्वान पर 1958 में उनके भक्तों ने गाँव-गाँव घूमकर अठावले का संदेश प्रसारित करते हुए स्वाध्याय की महिमा सबको बतानी शुरू की और उन्होंने अपने गुरु का यह विवेक सबको दिया कि स्वाध्याय के मार्ग में किसी भी धर्म, जाति या स्त्री, पुरुष का कोई भेद नहीं है और धर्म मानव जाति की बराबरी में विश्वास करता है। अठावले के इस स्वाध्याय आंदोलन ने लगातार विकास किया और उसके अनुयायियों की संख्या लगातार बढ़ती चली गई और पाण्डुरंग अठावले शास्त्री अपने भक्तों के बीच दादा (बड़ा भाई) कहकर सम्बोधित किए जाने लगे। 1964 में पोप पॉल चतुर्थ भारत आए और उन्होंने दादा से उनके दर्शन को लेकर चर्चा की।

समाज सुधार आंदोलन

दादा के आंदोलन में समाज सुधार की जबरदस्त शक्ति देखने को मिली। कितने ही लोगों ने मद्यपान छोड़ दिया, जुआ खेलना बंद कर दिया, इससे घर परिवार में पत्नियों को प्रताड़ित करना भी रुका। छोटे-मोटे अपराधों में लिप्त लोग सामुदायिक बेहतरी के कामों में रुचि लेने लगे। पाण्डुरंग अठावले शास्त्री के इस आंदोलन ने एक मनोहारी दृश्य उपस्थित किया और यह दैनिक संस्कृति बन गई। स्थानीय मछुआरे संस्कृत के श्लोक गाते हुए काम कर जाते तथा जितनी भी मछलियाँ मिलतीं, उसमें से ग़रीबों का अंश निकाल कर बाँट देते। उनके लिए उनकी नावें मंदिर की संज्ञा पा गई। गाँव वालों ने बड़े विस्तार में वृक्षारोपण किया और उन वृक्षों को मंदिर वृक्ष कहा गया। इससे बंजर धरती कुछ समय में हरियाली से भर गई।

सद्भावना का पुनर्संचार

दादा के स्वाध्याय व्यवहार से गाँवों की संस्कृति बदलने लगी। गाँवों में सफाई की चेतना आई। परिवारों के बीच पास-पड़ोस तक में सद्भावना का पुनर्संचार हुआ। बच्चे प्रसन्नचित स्कूल जाने लगे। गाँवों में अस्पृश्यता जैसी भावना खत्म कहा गया और उसकी उपज ज़रूरत मंदों को दिए जाने के लिए रखी गई। यहाँ तक कि विभिन्न धर्मों के पूजा स्थल एक स्थान पर आ गए।

पाण्डुरंग अठावले शास्त्री ने गाँव-गाँव में जाकर यह संदेश दिया कि स्वाध्याय का राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है। इसे दुनिया की मुश्किलें हल करने की चाबी नहीं समझा जाना चाहिए, स्वाध्याय के जरिए तो हम बस, प्रेम, पारस्परिक, शांति तथा निस्वार्थ भाव की संस्कृति फैला रहे हैं।

पाण्डुरंग ईश्वर को सर्वविद्यमान होने का संदेश देते हैं तथा आध्यात्मिक एकता उनका अभिष्ट है। वह पुरातन कालीन हिंदू ज्ञान सम्पदा की बात तथा उसका महत्व उसी श्रद्धा से बताते हैं, जिससे वह पाश्चात्य विचारकों का जिक्र करते हैं। वह अपने श्रोताओं को खुद से मुक्त करने की प्रेरणा देते हैं। वह कहते हैं, स्वबंधन जटिल है।

पुरस्कार व सम्मान

दादा पाण्डुरंग को वर्ष 1988 में महात्मा गाँधी पुरस्कार दिया गया। 19 मार्च, 1995 में उन्होंने अपने भक्तों की विशाल जनसभा को सम्बोधित किया। यह सभा राजकोट में जुटी थी।

मैग्सेसे पुरस्कार

वेदों और उपनिषदों में भारत की अकूत ज्ञान सम्पदा निहित है तथा हिंदू संस्कृति उससे इस सीमा तक समृद्ध है कि उसके माध्यम से आधुनिक भारत का निर्माण किया जा सकताहै। अठावले पाण्डुरंग शास्त्री ने इस तथ्य को समझा तथा उन कारणों की खोज की, जिनको उन ग्रंथों की सामर्थ्य की अपेक्षा के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। अठावले ने युक्तिपूर्वक वेदों, उपनिषदों तथा हिंदू संस्कृति की आध्यात्मिक शक्ति को पुनर्जाग्रत किया तथा आधुनिक भारत के सामाजिक रूपांतरण में उस ज्ञान तथा विवेक का प्रयोग सम्भव बनाया। अठावले पाण्डुरंग शास्त्री को सामुदायिक नेतृत्व के लिए 1999 का मैग्सेसे पुरस्कार प्रदान किया गया।

वर्ष 1999 में ही भारत सरकार ने दादा पाण्डुरंग को पद्म विभूषण से सम्मानित किया था। सन 1997 में उन्हें धर्म के क्षेत्र में उन्नति के लिये टेम्पल्टन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

मृत्यु

दादा पाण्डुरंग शास्त्री अठावले 25 अक्टूबर, 2003 को मुम्बई में, इस संसार से विदा हो गए।

PF पर मिलने वाले इंटरेस्ट पर भी लगता है TaX, साल में इतनी ब्याज है टैक्स फ्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आप प्राइवेट नौकरी करते हैं और आपका पीएफ कटता है तो यह खबर आपको जरूर पढ़नी चाहिए। बहुत से लोग होते हैं जो पीएफ से जुड़े नियमों के बारे में बहुत कम जानते हैं। आपके पीएफ अकाउंट में जमा पैसों पर सरकार ब्याज देती है। फाइनेंशियल ईयर 2024-25 के लिए एम्प्लाइज प्रोविडेंट फंड डिपॉजिट पर इंटरेस्ट रेट 8.25 सालाना था। इंटरेस्ट रेट का कैलकुलेशन 1 अप्रैल, 2024 और 31 मार्च, 2025 के बीच किए गए डिपॉजिट पर किया जाता है और यह सालाना क्रेडिट होता है। यानी साल आपको पीएफ पर मिलने वाला ब्याज आपके खाते में क्रेडिट किया जाता है। इस पर ब्याज भी लगता है लेकिन एक निश्चित राशि के बाद। आज हम इस आर्टिकल में आपको बताएंगे कि आखिर पीएफ अमाउंट और उस पर मिलने वाले ब्याज पर कितना टैक्स लगता है और यह टैक्स किस लिमिट के बाद लगता है।

प्रोविडेंट फंड पर टैक्स कई बातों पर निर्भर करता है, जैसे कि कंट्रीब्यूशन की रकम, सर्विस का समय और पैसे निकालने का समय। पिछले कुछ सालों में नियमों को भी अपडेट किया गया है, इसलिए मौजूदा नियमों को समझना जरूरी है।

नए इनकम टैक्स सिस्टम के आने से, कई छूटें और डिडक्शन हटा दिए गए हैं - जिसमें पॉपुलर सेक्शन 80C के फायदे भी शामिल हैं। आपका प्रोविडेंट फंड। चाहे आप सैलरी पाने वाले प्रोफेशनल हों या एक अनुभवी टैक्सपेयर, यह समझना बहुत जरूरी है कि नए नियमों के तहत आपके PF कंट्रीब्यूशन और रिटर्न को अब कैसे ट्रीट किया जाएगा।

पुराना टैक्स सिस्टम- EPF (कर्मचारी भविष्य निधि) में कंट्रीब्यूशन सेक्शन 80C के तहत सालाना 1.5 लाख रुपये तक के डिडक्शन के लिए एलिजिबल थे।

नया टैक्स सिस्टम- ये डिडक्शन अब उपलब्ध नहीं हैं। आप अभी भी कंट्रीब्यूट करते हैं, लेकिन इस पर कोई टैक्स छूट नहीं मिलती है।

एम्प्लॉयर कंट्रीब्यूशन- अगर EPF, NPS, और सुपरएन्यूएशन में कुल सालाना एम्प्लॉयर कंट्रीब्यूशन 7.5 लाख रुपये से ज्यादा तो यह टैक्सेबल होगा। यह दोनों सिस्टम पर लागू होता है।

EPF इंटरेस्ट- अगर किसी फाइनेंशियल ईयर में आपका अपना PF कंट्रीब्यूशन 2.5 लाख रुपये से ज्यादा है, तो ज्यादा अमाउंट पर मिलने वाला इंटरेस्ट टैक्सेबल हो जाता है।

डॉलर को टक्कर देने जा रहा चीन? 11 महीने में खरीदा रिकॉर्ड सोना

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन, जिसकी आबादी 141 करोड़ से ज्यादा है और दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश है। वो अब अमेरिकी डॉलर को टक्कर देने का बड़ा प्लान बना रहा है। और इसका सबूत है- सोना-चांदी की खरीद में बढ़ोतरी। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की रिपोर्ट के मुताबिक, चीन ने 2025 में सोने (तश्ध्यस्र) की खरीदारी को काफी बढ़ाया है, खासकर अपनी सेंट्रल बैंक पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना के माध्यम से।

यह खरीदारी डॉलर पर निर्भरता कम करने, विदेशी मुद्रा भंडार को विविधीकृत करने और भू-राजनीतिक जोखिमों से बचाव के उद्देश्य से की जा रही है। चांदी के मामले में भी चीन दुनिया का सबसे बड़ा उपभोक्ता है। चीन द्वारा सोने की खरीद पर अर्थशास्त्रियों ने चेतावनी दी है। उनका कहना है क चीन की बढ़ती गोल्ड खरीदारी आगे चलकर अमेरिकी डॉलर की पकड़ कमजोर कर सकती है।

अपोलो ग्लोबल मैनेजमेंट के मुख्य अर्थशास्त्री टॉर्स्टन स्लोक ने कहा है कि चीन इस वक्त सोने की कीमतों में तेज उछाल के पीछे मुख्य ताकत बन गया है। उन्होंने बताया कि चीन के सेंट्रल बैंक की खरीद, घरेलू मांग में बढ़ोतरी और अरबिट्राज ट्रेडिंग की वजह से दुनिया भर में सोने का भाव लगातार बढ़ रहा है।

जेपी मॉर्गन का दावा, 2026 के अंत तक इतनी हो जाएगी कीमत,आप भी कहेंगे अभी खरीद लेते है

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते दिनों सोने और चांदी के दाम काफी चर्चा में रहे। दिवाली तक सोने और चांदी की डिमांड इतनी बढ़ गई कि इनकी कीमतें ने आसमान छू लिया। सोने और चांदी के दाम में जमकर उछाल देखने को मिला। इस बीच जेपी मॉर्गन ने गोल्ड का टारगेट प्राइस दिया है।

जेपी मॉर्गन द्वारा ये अनुमान लगाया गया है कि साल 2026 के अंत तक सोने की कीमत कितनी पहुंच जाएगी। ये आर्टिकल उन लोगों के लिए काम का होने वाला है। जो भविष्य में सोना खरीदने पर विचार कर रहे हैं। सबसे पहले जानते हैं कि जेपी मॉर्गन ने साल 2026 के अंत तक गोल्ड प्राइस का टारगेट क्या दिया है?

साल 2026 के अंत तक कितना होगा भाव- जेपी मॉर्गन की मानें तो साल 2026 के अंत तक सोने का भाव 5055 डॉलर प्रति आउंस पहुंच सकता है। अगर भारतीय रुपये में देखें तो सोने का भाव 156,521 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच जाएगा। इसका मतलब है कि सोना लगभग 1,60,000 रुपये का होगा। हालांकि ये दाम 24 कैरेट सोने का होने वाला है।

अगर 22 कैरेट की बात करें तो (156,521/24×22) इसकी कीमत 143,477 रुपये पहुंच जाएगी। ये लगभग 1,50,000 रुपये के पास है। 22 कैरेट में ही आप अपना सोना बनाते हैं।

रायपुर आज सोना सबसे सस्ता मिल रहा है। यहां 10 ग्राम सोने की कीमत 123,210 रुपये है। वहीं यहां चांदी भी सबसे सस्ती मिल रही है। रायपुर में 1 किलो चांदी का भाव 146,640 रुपये चल रहा है। आज सबसे महंगा सोना कानुपर और लखनऊ में मिल रहा है। यहां 10 ग्राम सोने की कीमत 123,480 रुपये है। अगर चांदी की बात करें तो यहां चांदी भी सबसे महंगी है।

बेटी की पढ़ाई और शादी की टेंशन खत्म, डेढ़ लाख रुपए जमा करने पर मिलेगा 41 लाख का फंड

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेटी की पढ़ाई और शादी के खर्च की चिंता हर माता-पिता को सताती है, लेकिन अगर थोड़ी समझदारी से निवेश किया जाए तो यह टेंशन खत्म हो सकती है। सुकन्या समृद्धि योजना ऐसी ही एक सरकारी स्कीम है, जो सुरक्षित रिटर्न और टैक्स बेनिफिट दोनों देती है। अगर आप हर साल डेढ़ लाख रुपए इसमें जमा करते हैं, तो मैच्योरिटी पर करीब 70 लाख रुपए तक का फंड मिल सकता है। आइए समझते हैं कि आखिर क्या है ये स्कीम? इसमें पैसा कैसे बढ़ता है और क्या है इसकी पूरी कैलकुलेशन।

सुकन्या समृद्धि योजना क्या है- सरकार ने 2015 में सुकन्या समृद्धि योजना लॉन्च की थी। यह योजना बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान का हिस्सा है और माता-पिता को अपनी बेटी के भविष्य के लिए बचत करने में मदद करती है।

15 साल बाद राशि कितनी होगी- अगर आपकी बेटी 5 साल की है और आप हर साल 1.5 लाख रुपए रुपए सालाना जमा करते हैं, तो बेटी की उम्र 20 साल होने पर आपको 41,25,000 रुपए रुपए मिलेंगे। यानी 15 साल में आपका कुल निवेश 22,50,000 रुपए होगा और 8.20 सालाना ब्याज के हिसाब से आपको 18,75,000 रुपए ब्याज मिलेगा। यानी कुल- 41,25,000 लाख रुपए। बता दें कि SSY न केवल लंबी अवधि की सुरक्षित बचत है, बल्कि बेटी के भविष्य और शिक्षा के लिए एक मजबूत वित्तीय प्लान भी है।

कमजोरी के साथ बंद हुए Nifty-Sensex, दीवाली वाले सप्ताह में ऑल टाइम हाई बनाने से चूका बाजार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दीवाली के दिन से तेजी से शुरू हुए शेयर बाजार के कारोबारी सप्ताह का समापन गिरावट के साथ हुआ। निफ्टी50, 96 अंक की कमजोरी के साथ 25795 पर बंद हुआ तो सेंसेक्स 355 प्वाइंट टूटकर 84200 पर क्लोज हुआ। 24 अक्तूबर के सेशन में मेटल इंडेक्स को छोड़कर लगभग अन्य सभी सेक्टर्स में बिकवाली हावी रही। एफएमसीजी, फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी बैंक, पीएसयू बैंक और फार्मा इंडेक्स पौने एक फीसदी तक टूट गए।

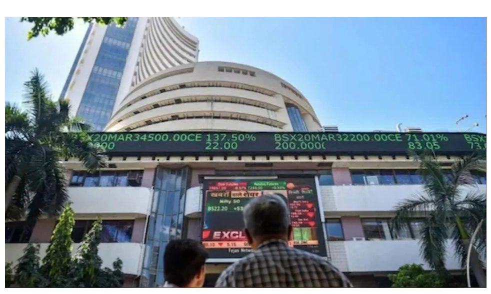

मेटल सेक्टर की कंपनी हिंडाल्को इंडस्ट्रीज के शेयर निफ्टी का टॉप गेनर स्टॉक रहा। इसके अलावा, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, श्रीराम फाइनेंस और ओएनजीसी भी एक फीसदी की तेजी के साथ इस लिस्ट में शामिल रहे। वहीं, निफ्टी के टॉप लूजर में सिप्ला, हिंदुस्तान यूनिलीवर, मैक्स हेल्थ, अल्ट्राटेक सीमेंट और अदाणी पोर्ट्स के स्टॉक शामिल रहे।

26000 के लेवल पर क्यों नहीं टिका बाजार- इस कारोबारी सप्ताह में निफ्टी ने 26100 के स्तर को पार कर दिया लेकिन ऑल टाइम हाई 26277 के लेवल को क्रॉस नहीं कर सका और 26000 के लेवल से फिसलकर निफ्टी 25795 के स्तर पर बंद हुआ। मार्केट में आज आई गिरावट के कुछ अहम कारण रहे हैं

मुनाफावसूली- बाजार में इस गिरावट का बड़ा कारण मुनाफावसूली रही है। दरअस, मार्केट में हाल ही में बड़ी तेजी के बाद निवेशकों ने बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं, एफएमसीजी, आईटी और ऑटो शेयरों में मुनाफावसूली की।

FIIs की फिर से बिकवाली- विदेशी संस्थागत निवेशक ने गुरुवार को बाजार में फिर बिकवाली की और 1,165.94 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

FD, म्यूचुअल फंड या गोल्ड किसमें निवेश करने पर है ज्यादा फायदा, आपको क्या चुनना चाहिए?

नई दिल्ली (एजेंसी)। FD, म्यूचुअल फंड या गोल्ड तीनों ऑप्शन से ही आज हर कोई परिचित है। अक्सर लोग तीनों में ही निवेश करना पसंद करते हैं। एफडी जहां आपको सुरक्षा और स्थिरता प्रदान करता है। वहीं गोल्ड आज के समय में आपको अच्छा रिटर्न देने में सक्षम है। म्यूचुअल फंड तो पहले से ही अपने आकर्षक रिटर्न के लिए जाना जाता है।

आपके लिए क्या सही- आप चाहे तो पोर्टफोलियो को बैलेंस करने के लिए तीनों में ही निवेश कर सकते हैं। ये ध्यान रखें कि फिजिकल गोल्ड, गोल्ड ईटीएफ और गोल्ड म्यूचुअल फंड से थोड़ा अलग है। आपके लिए क्या सही है, ये आपकी व्यक्तिगत स्वभाव पर निर्भर करता है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

यह मेरा पर्सनल फोन, नहीं लगाउंगी ई-अटेंडेंस...

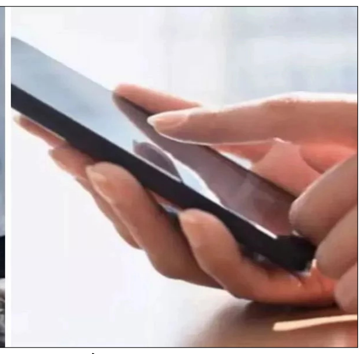

जबलपुर में प्रिंसिपल के नोटिस पर टीचर के जवाब से मचा हड़कंप भोपाल। मध्य प्रदेश में सरकारी स्कूलों से शिक्षकों के अनुपस्थित रहने पर लगाम लगाने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग ने एक जुलाई से ऑनलाइन हाजिरी लगाना अनिवार्य किया है। यहां ई-अटेंडेंस नहीं लगाने वाले शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस दिया गया है। अब इन नोटिस का जवाब भी सामने आने लगा है। इस बीच, एक शिक्षिका के जवाब ने पूरे विभाग में हड़कंप मचा दिया है।

जबलपुर जिले के शासकीय उमावि महराजपुर की उच्चतर माध्यमिक शिक्षक ज्योति पांडेय ने ऑनलाइन हाजिरी न लगाने पर प्राचार्य के कारण बताओ नोटिस के जवाब में लिखा कि विभाग ने उन्हें मोबाइल नहीं दिया है। जो मोबाइल वो रखती हैं, वह उनके द्वारा खरीदा गया है। उसमें उनकी फोटो सहित तमाम डाटा उनका है और वे किसी भी तरह से अपनी फोटो, लोकेशन या अन्य जानकारी किसी एप को शेयर नहीं कर सकती हैं, क्योंकि इससे उनकी निजता का खतरा होता है।

डेढ़ हजार शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस

उन्होंने यह भी लिखा कि यह निजी फोन हमेशा उनके पास नहीं होता है। उनकी बेटी को अध्ययन के लिए घर छोड़ना होता है। प्रदेश के करीब डेढ़ हजार शिक्षकों व प्राचार्यों को ऑनलाइन हाजिरी नहीं लगाने पर कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे। सात दिन के अंदर जवाब मांगा गया था, लेकिन तभी 18 से 23 अक्टूबर तक स्कूलों में दीपावली अवकाश लग गया। इस कारण कई शिक्षकों व प्राचार्यों ने नोटिस का जवाब नहीं दिया है।

शिक्षक बोले- आ रहे साइबर ठगों के कॉल

वहीं, राजधानी भोपाल के 50 से अधिक शिक्षकों ने विभाग को ज्ञापन दिया कि 'हमारे शिक्षक' एप से उपस्थिति लगाने से उनका डाटा लीक हो रहा है। एक ही मोबाइल नंबर से सभी शिक्षकों को फ्रॉड कॉल आ रहे हैं और साइबर ठग 25-25 हजार रुपये की मांग कर रहे हैं।

इसके जवाब में विभाग का कहना है कि इसकी शिकायत शिक्षक साइबर सेल में करें। बहरहाल, लोक शिक्षण संचालनालय, संयुक्त संचालक अरविंद चौरगड़े ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि ऑनलाइन हाजिरी को लेकर शासन ने जो आदेश दिए हैं, उनका पालन हर हाल में होना चाहिए।

प्रॉपर्टी को लेकर बिगड़े रिश्ते, जबलपुर में छोटे भाई ने कर दी अपने भाई-भाभी की हत्या; चाकू से किए ताबड़तोर वार

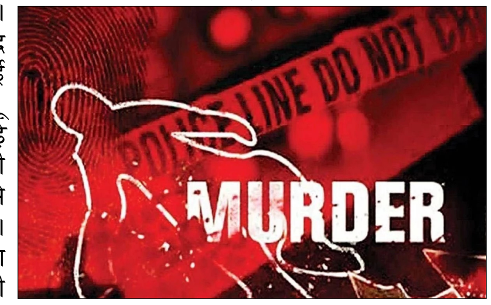

जबलपुर। संपत्ति विवाद में छोटे भाई (बबलू चौधरी) ने बड़े भाई और भाभी की बेरहमी से हत्या कर दी। यह दिल दहला देने वाली वारदात घमापुर थाना क्षेत्र के बल्दी करी दफाई इलाके में हुई। मृतकों की पहचान संजय चौधरी (45) और उनकी पत्नी बबीता चौधरी (40) के रूप में हुई है।

भिंड में खेत में चल रही थी कट्टा फैक्ट्री, पुलिस ने दबिश देकर किया भंडाफोड़

भिंड। पुलिस ने अवैध हथियार बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। भिंड जिले के मौ थाना क्षेत्र के ग्राम रूपावई में चल रही इस फैक्ट्री से 12 देसी कट्टे (312 बोर), तीन कारतूस और हथियार बनाने के उपकरण बरामद किए गए हैं।

जानकारी के मुताबिक, खेत मालिक ने अपनी जमीन पर फैक्ट्री चलाने के लिए 20 हजार रुपये महीने का किराया तय किया था। वहीं, हथियार बनाने के लिए यूपी के इटावा जिले के किशनी क्षेत्र के हिस्ट्रीशीटर बदमाश को 50 हजार रुपये प्रति माह पर हायर किया गया था। पुलिस ने फैक्ट्री से मिले हथियार और उपकरण जब्त कर जांच शुरू कर दी है।

बड़वानी में दुर्घटना में युवक की मौत के बाद एबी रोड पर शव रखकर प्रदर्शन, दोनों ओर लगी गाड़ियों की लाइन

बड़वानी। मध्य प्रदेश के बड़वानी में एबी रोड पर ट्रक की टक्कर से एक युवक की मौत और दूसरे के गंभीर घायल होने की घटना सामने आई है। हादसे में गंभीर घायल युवक को इलाज के लिए इंदौर रेफर किया गया है। मृत युवक के परिजनों और क्षेत्र के लोगों ने उसका शव एबी रोड पर रखकर प्रदर्शन किया। इससे नेशनल हाईवे पर दोनों ओर वाहनों की लंबी लाइन लग गई। ये लोग टोल कंपनी से सर्विस रोड बनाने की मांग भी कर रहे हैं, ताकि भविष्य में ऐसी घटना ना हो। सूचना मिलने पर अधिकारी परिजनों को समझाने पहुंचे।

इधर... युवक पर चाकू से हमला, हालत गंभीर होने पर इंदौर किया रेफर

बड़वानी जिले के अंजड़ थाना क्षेत्र के ग्राम मंडवाड़ा में बुधवार को दो युवकों में पुरानी किसी बात को लेकर विवाद हो गया। मंडवाड़ा के युवक ने उजवनी गांव के युवक को पेट में चाकू मार दिया। जिससे वह गंभीर घायल हो गया। उसके दोस्त उसे बाइक से अंजड़ के सिविल अस्पताल ले गए। हालंत गंभीर होने से उसे जिला अस्पताल रेफर किया। स्थिति नाजक होने से चिकित्सकों ने उसे इंदौर रेफर किया है। उजवनी गांव के नीरज मुजाल्दे ने बताया कि शुभम पुत्र मनीष मुजाल्दे के साथ मंडवाड़ा के दक्ष नामक युवक ने पुरानी बात को लेकर विवाद करते हुए उसके पेट में चाकू मार दिया। जिससे वह गंभीर घायल हो गया।

बड़वानी में इलाज के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए इंदौर ले जा रहे है। स्थिति नाजूक बनी हुई है। उधर घटनाक्रम को लेकर अंजड़ टीआई आरआर चौहान ने बताया कि चाकूबाजी की सूचना मिली है। स्वजनों को थाने बुलाया है। उनके बयान लेकर चाकूबाजी करने वाले आरोपित के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

पानी की किल्लत से मचा हाहाकार, महिलाएं उतरीं सड़क पर; पंचायत भवन में जड़ दिया ताला

डिंडौरी शहपुरा। जल संकट से त्रस्त महिलाओं ने शुक्रवार की सुबह ग्राम पंचायत भवन में ताला जड़ दिया। पंचायत में पिछले दो माह से नल जल योजना से पानी की सप्लाई बंद पड़ी है। बिना पानी के ही ग्रामीणों की दीवाली बीत गई।मामला जिले की जनपद शहपुरा अंतर्गत ग्राम पंचायत कंचनपुर का है।

ग्राम पंचायत कंचनपुर में पिछले दो महीने से लगातार पानी की आपूर्ति बंद रहने से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। दीपावली जैसे बड़े त्योहार के दौरान भी ग्रामीणों को बूंद-बूंद पानी के लिए तरसना पड़ा। स्थिति से परेशान महिलाएं पंचायत भवन पहुंच गई और ताला लगाकर विरोध प्रदर्शन शुरू किया।

दूर दराज के क्षेत्र से पानी ढोने की मजबूरी

प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने बताया कि गाँव में संचालित नल-जल योजना लंबे समय से बंद पड़ी है। गांव में लगे हैंडपंप भी खराब हैं। पानी की किल्लत इतनी बढ़ गई है कि लोगों को रोजाना कई किलोमीटर दूर से पानी ढोकर लाना पड़ रहा है। महिलाओं ने आरोप लगाया कि पंचायत के जिम्मेदारों से बार-बार शिकायत करने के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हुई।

समस्या के स्थाई समाधान की मांग प्रदर्शन कर रही महिलाओं का कहना है कि त्योहार के दौरान भी प्रशासन ने ध्यान नहीं दिया, जिससे पूरे गाँव में पानी को लेकर हाहाकार मचा हुआ है। पंचायत भवन में तालाबंदी की सूचना मिलते ही स्थानीय कर्मचारी मौके पर पहुँचे। ग्रामीणों ने साफ कहा कि जब तक पानी की समस्या का स्थायी समाधान नहीं होता, तब तक उनका विरोध जारी रहेगा। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से तत्काल पेयजल आपूर्ति बहाल करने और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की माँग की है।

भोपाल में भी अब कार्बाइड गन खरीदने-बेचने पर प्रतिबंध, कलेक्टर ने जारी किया आदेश

भोपाल। दिवाली के दौरान राजधानी भोपाल में कार्बाइड गन से हुई दुर्घटनाओं के बाद अब जिला प्रशासन सख्त हो गया है। गुरुवार को कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने धारा-163 के तहत तत्काल प्रभाव से कार्बाइड गन की बिक्री, खरीद और भंडारण पर प्रतिबंध लगा दिया। इसकी निगरानी का जिम्मा जिले में एसडीएम, कार्यपालिक मजिस्ट्रेट और पुलिस अधिकारियों को दिया गया है।

आदेश में स्पष्ट उल्लेख है कि इस गन का स्टॉक मिलने पर संबंधित थाने में एफआईआर दर्ज की जाएगी। दिवाली के त्योहार पर बेची गई इसी खतरनाक पटाखा गन ने प्रदेश में 200 से अधिक लोगों की आंखों को गंभीर रूप से चोटिल किया है। इसमें भोपाल के ही 150 से अधिक लोग प्रभावित हैं।

जांच के लिए निकले अधिकारी

गुरुवार को कलेक्टर से निर्देश मिलने पर शहर के सभी एसडीएम कोलार, बैरागढ़, हुजूर, टीटी नगर और एमपी नगर क्षेत्र में पटाखा बाजारों की जांच के लिए निकले। अधिकारियों का कहना है कि जांच के दौरान दुकानों में इस तरह की गन नहीं मिली।

दिवाली से पहले ही जब्त हुई थीं 50 गन- दिवाली के एक दिन पहले गोविंदपुरा और बैरसिया एसडीएम की टीमों ने 50 से अधिक कार्बाइड गन जब्त की थीं। वहीं बैरागढ़ क्षेत्र में कार्रवाई सिर्फ औपचारिकता तक सीमित रह गई।

दुर्घटना बाद तीन पर कार्रवाई-दिवाली के अगले दिन इस जुगाड़ू पटाखे से हुई दुर्घटना की भयावहता सामने आने के बाद प्रशासन जागा। आनन-फानन में बुधवार को पुलिस ने गोविंदपुरा और एमपी नगर क्षेत्र में दो विक्रेताओं को पकड़ा। गुरुवार को भी गांधीनगर क्षेत्र में एक विक्रेता को गिरफ्तार कर उसके पास से पाइप गन जब्त की गई।

पत्रकारिता और राजनीति को लेकर वरिष्ठ पत्रकार जयंतो घोषाल ने स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के रूबरू कार्यक्रम में रखी बेबाक राय

इंदौर। वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक जयंतो घोषाल ने कहा कि पत्रकारिता की नई पीढ़ी देखती है, सुनती है लेकिन पढ़ती नहीं है। यह पीढ़ी सोशल मीडिया को ही सबकुछ मान बैठी है। प्रिंट मीडिया का असर कम होने की वजह भी यही है। श्री घोषाल स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के 'रूबरू' कार्यक्रम में मीडियाकर्मियों से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पुरानी पीढ़ी के पत्रकार खूब पढ़ते थे और फिर असरकारक लिखते थे। लेकिन नई पीढ़ी नालेज बेस जर्नलिज्म को छोड़कर एआई, मेटा, जैमिनी, चेट-जीपीटी को सबकुछ मान बैठी है। बेहतर पत्रकारिता के लिए पुराने और नए दौर की अच्छी बातों को लेकर काम करना चाहिए।

पत्रकारिता के गिरते स्तर के सम्बन्ध में श्री घोषाल ने कहा कि हर दौर में लगता है कि पत्रकारिता का स्तर गिर रहा है लेकिन इसमें नया कुछ नहीं है। हर दौर में अलग-अलग किस्म की चुनौतियाँ होती हैं। भ्रष्टाचार पहले भी था और अभी भी है। राजनीति का क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं है। पं जवाहरलाल नेहरु, इंदिरा गाँधी से लेकर अनेक प्रधानमंत्रियों ने छोटे-मोटे भ्रष्टाचार के चलते बड़े-बड़े मंत्रियों को बाहर का रास्ता दिखाया है। अब बड़े भ्रष्टाचार भी मुद्दा नहीं बनते।

बिहार चुनाव में पीके की भूमिका महत्वपूर्ण- राजनीतिक विश्लेषक श्री घोषाल ने कहा कि बिहार चुनाव में जन सुराज पार्टी के प्रशांत किशोर की भूमिका महत्वपूर्ण नजर आ रही है। हमेशा की तरह मुस्लिम और यादव वोट बैंक यादव परिवार की आरजेडी के साथ है। तेजस्वी यादव ने कांग्रेस को कम सीटें देकर सूझ-बूझ का परिचय दिया है। बीजेपी ने नितीश कुमार पर दबाव बनाकर अपना नियंत्रण बढ़ाया है। इन तमाम हालातों के बावजूद उन्हें आज की तारिख में एनडीए गठबंधन आगे नज़र आ रहा है।

पं बंगाल में टीएमसी की सरकार बनना तय- पश्चिम बंगाल के संदर्भ में उन्होंने कहा कि भाजपा ने वहां अपने विस्तार के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रखा है लेकिन इस बार भी वहां टीएमसी की सरकार बनना तय है। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्य है कि 30 साल तक राज करने वाली सीपीएम और देश की बड़ी पार्टी कांग्रेस का 294 सदस्यीय विधानसभा में एक भी सदस्य नहीं है। एक प्रश्न के जवाब में उन्होंने बताया कि ममता बनर्जी ने अनेक जिलों में मंदिरों की स्थापना की है और नवदुर्गा पंडालों को मदद भी बढाई है।

राहुल गांधी मोदी के सामने बच्चे हैं- कांग्रेस के संदर्भ में श्री घोषाल ने कहा कि सोनिया गांधी की सूझ-बूझ से कांग्रेस अपना सर्वोच्च पा चुकी है। राहुल गांधी बेहतर इंसान है लेकिन राजनीति में असफल हैं। नरेन्द्र मोदी के सामने वे बच्चा है। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी को एंटी इनकम्बेंसी को न्यूट्रल करने का जादू आता है इसलिए आज भी विपक्ष के मंसूबे सफल होते नज़र नहीं आते। उन्होंने भाजपा संगठन की भी तारीफ करते हुए कहा कि चुनाव हारने के अगले दिन से ही उनका संगठन फिर से नए लक्ष्य को प्राप्त को करने की दिशा में बढ़ जाता है जबकि कांग्रेस में नामांकन के दिन तक सिर्फ फुटबल चलती रहती है।

वरिष्ठ नागरिकों को निःशुल्क सहायक उपकरण प्रदान किए जाएंगे

इंदौर। डॉ. अंबेडकर नगर महू की विधायक सुश्री उषा ठाकुर के विशेष प्रयासों से 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को पात्रतानुसार निःशुल्क सहायक उपकरण उपलब्ध कराने हेतु एक विशेष परीक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर कलेक्टर श्री शिवम वर्मा और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत इंदौर के मार्गदर्शन में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा 29 अक्टूबर 2025 (बुधवार) को जनपद पंचायत परिसर, डॉ. अंबेडकर नगर महू में प्रातः 10 बजे से आयोजित किया जायेगा। परीक्षण शिविर में राष्ट्रीय वयोश्री योजना अंतर्गत पात्र वरिष्ठ नागरिकों को आवश्यकता अनुसार विभिन्न सहायक उपकरण – जैसे कि श्रवण यंत्र, बैसाखी, ट्राईपॉड, व्हीलचेयर, वॉकर, वॉकिंग स्टिक, कमोड चेयर, चेयर स्टूल, फुट केयर यूनिट, स्पाइन सपोर्ट, सर्वाइकल कॉलर, लम्बो सेकल बेल्ट आदि प्रदान करने हेतु चिन्हांकित किया जायेगा। शिविर में आवश्यक दस्तावेज - आधार कार्ड, आय प्रमाण पत्र ग्राम प्रधान/सरपंच/तहसीलदार या अन्य राजस्व विभाग अधिकारी द्वारा जारी प्रार्थी को आमदनी 15,000 रूपये मासिक या इससे कम हो, आवेदक का फोटो, समग्र आईडी आदि साथ लेकर शिविर स्थल पर पात्रता परीक्षण हेतु उपस्थित होना होगा।

सुमन सखी चैटबॉट से गर्भवती एवं प्रसूता महिलाओं को मिलेगी सेहत का ख्याल रखने की जानकारी

इंदौर। स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार के उद्देश्य से मध्यप्रदेश में आरंभ की गई एआई आधारित चैटबॉट सेवा से मातृ-शिशु स्वास्थ्य सुधार में मदद मिलेगी। अब गर्भवती महिलाएँ गर्भावस्था के दौरान तथा प्रसव के बाद अपनी स्वास्थ्य संबंधी शंकाओं का समाधान घर बैठे ही ÷सुमन सखी चैटबॉट÷ से प्राप्त कर सकेंगी। इस सेवा के माध्यम से महिलाओं को स्वास्थ्य केंद्र जाने या एनएचएम एवं आशा कार्यकर्ताओं की राह देखने की आवश्यकता नहीं होगी। चैटबॉट तत्काल आवश्यक सलाह और जानकारी प्रदान करेगा।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी ने बताया कि चैटबॉट में गर्भावस्था और मातृ स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न विषयों पर सामग्री विकसित की गई है। यह चैटबॉट 24 घंटे सक्रिय रहेगा और महिलाओं को प्रसव पूर्व देखभाल, उच्च जोखिम गर्भस्थ स्थितियों के बारे में जानकारी देगा। इस चैटबॉट को एनएचएम मध्यप्रदेश ने राज्य इलेक्ट्रानिक्स विकास निगम के सहयोग से विकसित किया है। यह चौबीसों घंटे हिन्दी में काम करेगा।

यह चैटबॉट महिलाओं को सरकार की विभिन्न स्वास्थ्य एवं कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी देगा। इसे मातृ स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक सशक्त मार्गदर्शक उपकरण के रूप में विकसित किया गया है।

यह स्वास्थ्य योजनाओं और गर्भावस्था संबंधी देखभाल के बारे में मार्गदर्शन की जरूरत वाली महिलाओं के लिए एक सहायता प्रणाली के रूप में काम करेगा।

व्हाट्सएप पर भी उपलब्ध होगी सेवा- सुमन सखी चैटबॉट÷ व्हाट्सएप पर भी उपलब्ध होगा। पहले चरण में यह मातृ स्वास्थ्य, गर्भावस्था एवं प्रसव से संबंधित प्रश्नों का उत्तर देगा। अगले चरणों में महिलाओं के लिए अन्य स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण विषयक जानकारियाँ भी जोड़ी जाएंगी, ताकि यह चैटबॉट एक व्यापक संवाद मंच के रूप में कार्य कर सके।

इस तरह जुड़ सकेंगी महिलाएँ- महिलाएँ गर्भावस्था (एएनसी) के दौरान खानपान, स्वास्थ्य देखभाल या किसी अन्य समस्या से जुड़ी जानकारी प्राप्त करने के लिए व्हाट्सएप नंबर 9770905942 पर हिंदी में संदेश भेज सकती हैं।

इंदौर में सीमा सुरक्षा बल के प्रशिक्षण केन्द्र में दीक्षांत परेड का आयोजन किया गया

इंदौर। इंदौर में सीमा सुरक्षा बल के प्रशिक्षण केन्द्र में दीक्षांत परेड का आयोजन किया गया। जिसमें 141 सीमा प्रहरियों ने राष्ट्रक्षा की शपथ ली। समारोह के प्रारंभ में इन नवआरक्षकों ने अतिथियों को सलामी दी। इस परेड सीमा प्रहरियों ने राष्ट्रीय ध्वज को साक्षी मानकर देश के संविधान के प्रति एकता,अखंडता को बनाये रखने की शपथ ली। शपथ परेड के बाद नव आरक्षकों ने रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। इस दौरान डम्बल शो का प्रदर्शन एवं भांगड़ा नृत्य किया गया।इस परेड के मुख्य अतिथि महानिरीक्षक आलोक कुमार सिंह थे। इस नई बैच को 44 सप्ताह के कठिन प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न हथियारों, ड्रिल, शारीरिक प्रशिक्षण, फील्ड क्राफ्ट, मैप रिडिंग, युद्ध कौशल, निशानेबाजी, सीमा की निगरानी, आतंकवाद एवं उग्रवादियो से लड़ने की कला का प्रशिक्षण दिया गया।

अनुसूचित जाति पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के आवेदन हेतु पोर्टल पर लिंक ओपन

इंदौर। इंदौर जिले की समस्त शैक्षणिक संस्थाओं को सूचित किया गया है कि शैक्षणिक वर्ष 2022-23, 2023-24 तथा 2024-25 में अनुसूचित जाति पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के आवेदन हेतु वर्तमान में पोर्टल पर लिंक ओपन है। शैक्षणिक संस्था प्रमुखों से कहा गया है कि वे निर्धारित अंतिम तिथियों के भीतर संस्थान में अध्ययनरत विद्यार्थियों के आवेदन अनिवार्य रूप से पोर्टल पर दर्ज करवायें, ताकि विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का लाभ मिल सके। सहायक आयुक्त अनुसूचित जाति तथा आदिवासी विकास इंदौर ने बताया कि शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2025, शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए 30 नवम्बर 2025 तथा शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए 31 दिसम्बर 2025 अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। छात्रों के आवेदन किये जाने में किसी प्रकार की तकनीकी समस्या आने पर विद्यार्थियों की जानकारी टिकट प्रारूप में कार्यालय अनुसूचित जाति एवं जनजातीय कार्य विभाग कलेक्टोरेट परिसर, द्वितीय मंजिल में उपस्थित होकर टिकट जनरेट करवा सकेंगे।

प्रदेश में 45 रोड सेफ्टी एण्ड एनफोर्समेंट चेकिंग प्वाइंट से निगरानी

इंदौर। प्रदेश में वाहन चेकिंग की पारदर्शी व्यवस्था लागू करने तथा सुशासन के उद्देश्य से प्रदेश के समस्त परिवहन चेकपोस्टों को बंद कर दिया गया है। इनके स्थान पर परिवहन विभाग ने 45 रोड सेफ्टी एण्ड एनफोर्समेंट चेकिंग प्वाइंट प्रारम्भ कर दिए हैं। इन पर पदस्थ प्रवर्तन बल द्वारा बॉडीवोर्न कैमरों की निगरानी में पीओएस मशीन के माध्यम से वाहनों के विरुद्ध ऑनलाइन चालानी कार्यवाही की जा रही है। इज ऑफ डुइंग बिजनेस के अंतर्गत इन प्वाइंट पर द्वारा अहम निर्णय लेते हुए प्रदेश में प्रवेश करने वाले अन्य राज्यों के वाहनों द्वारा ई-चेकपोस्ट मॉड्यूल के माध्यम से ऑनलाइन मोटरयान कर जमा करने की सुविधा दी गई है। परिवहन विभाग ने इस वर्ष 5 हजार 693 करोड़ रूपये का राजस्व संग्रहण का लक्ष्य रखा है। पिछले वर्ष 2024-25 में परिवहन विभाग ने करीब 4 हजार 875 करोड़ रूपये का राजस्व संग्रहण किया था। यह राजस्व वर्ष 2023-24 के मुकाबले 5.83 प्रतिशत अधिक रहा है।

प्रदेश में बनाये गये सुविधा केन्द्र- परिवहन विभाग की प्रक्रिया को सरल बनाने तथा आम जनता को सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वाहनों के रजिस्ट्रेशन, परमिट तथा ड्राइविंग लाइसेंस आदि से संबंधित अधिकतर सेवाओं को एनआईसी के पोर्टल वाहन तथा सारथी के माध्यम से फेसलेस प्रदान किया जाना प्रारम्भ किया गया है, जिसमें आवेदक को कार्यालय जाने की आवश्यकता नहीं होती। आमजन को परिवहन विभाग की सेवाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन करने में सहायता करने के लिए सीएससी सेंटर्स के अतिरिक्त एमपी ऑनलाइन सेंटर्स को भी राज्य सरकार द्वारा सुविधा केन्द्र के रूप में मान्यता प्रदान की गई है। आम जनता की सुविधा के लिये वाहनों के पंजीयन प्रमाण पत्र एवं ड्राइविंग लाइसेंस डिजिटल रूप से रख सकने के उद्देश्य से परिवहन विभाग द्वारा आवेदकों को ड्राइ?विंग लाईसेंस एवं पंजीयन प्रमाण पत्र इलेक्ट्रॉनिक रूप में जारी किया जाना प्रारंभ किया गया है।

नकदी रहित उपचार सुविधा- सड़क दुर्घटना में घायलों के त्वरित उपचार के लिये सड़क दुर्घटना पीडितों का नगदी रहित उपचार स्कीम-2025 सुचारू रूप से क्रियान्वित की गई है, जिसके तहत पीड़ित ऐसी दुर्घटना की तारीख से अधिकतम सात दिन की अवधि के लिये किसी भी नाम निर्दिष्ट अस्पताल में प्रति पीड़ित एक लाख पचास हजार रूपये तक की रकम के नकदी रहित उपचार करा सकता है। इसके अलावा सड़क दुर्घटनाओं में गंभीर रूप से घायल पीड़ितों को गोल्डल आवर के अंदर अस्पताल तक में जाकर उनकी सहायता करने वाले राह-वीरों को प्रोत्साहन स्वरूप 25 हजार रूपये एवं सर्टिफिकेट प्रदान किया जा रहा है।

श्रमिकों की आयु गणना के लिये नवीन निर्देश

इंदौर। मुख्यमंत्री जन कल्याण संबल योजना अंतर्गत श्रमिक की आयु गणना के लिये श्रम विभाग द्वारा नवीन निर्देश जारी किये गये हैं। अब आयु गणना के लिये आधार कार्ड के आधार पर शब्द विलोपित किया गया है। आयु के प्रमाण के लिये परीक्षा लेने वाले बोर्ड या विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया प्रमाण पत्र या अंकसूची या उस अंतिम विद्यालय द्वारा, जिसमें उसने अध्ययन किया, जारी किया गया विद्यालय छोड़ने का प्रमाण पत्र मान्य होगा। इसी तरह जन्म तथा मृत्यु के रजिस्ट्रार से प्रमाण पत्र एवं ग्राम पंचायत या मुख्य नगर पालिका अधिकारी से प्रमाण पत्र मान्य होगा। श्रम विभाग के अतिरिक्त सचिव श्री बसंत कुर्रे ने बताया है कि उपरोक्त प्रमाण-पत्रों के न होने पर उस चिकित्सा अधिकारी का प्रमाण पत्र, जो शासकीय सेवा में सहायक शल्य चिकित्सक की पदश्रेणी से निम्न पद श्रेणी का न हो का प्रमाण पत्र मान्य होगा। उक्त चारों दस्तावेजों अथवा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध अन्य आयु संबंधी दस्तावेजों के परीक्षण उपरांत गुण-दोष के आधार पर आयु संबंधी निर्णय लिया जायेगा।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

84 महादेव मंदिरों के उन्नयन कार्य की कार्ययोजना की अनुशंसा की गई

सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री सिंह की अध्यक्षता में सिंहस्थ के प्रस्तावित कार्यों की समीक्षा बैठक संपन्न

उज्जैन । सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार दोपहर सिंहस्थ मेला कार्यालय के सभागृह में पर्यवेक्षण समिति की षष्ठम बैठक में अनुशंसा के लिए प्रस्तुत करने सिंहस्थ 2028 के नवीन प्रस्तावित कार्यों पर चर्चा कर पर्यवेक्षण समिति के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए कार्यों की अनुशंसा की गई। बैठक में कलेक्टर रौशन कुमार सिंह, नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ श्रेयांस कूमट, यूडीए सीईओ संदीप सोनी, स्मार्ट सिटी सीईओ संदीप शिवा, ज्वाइंट कलेक्टर संदीप सिंह और संबंधित विभागों के सभी अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार बैठक में मेला अधिकारी श्री सिंह और कलेक्टर श्री सिंह ने सिंहस्थ आयोजन के विभिन्न आयामों पर चर्चा कर आवश्यकता अनुसार अन्य कार्यों की कार्ययोजना शीघ्र बनाकर तैयार कर शासन के समक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बैठक में सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री सिंह ने सभी प्रगतिरत कार्यों को समय सीमा में गुणवत्तायुक्त और मापदंडों के अनुसार पूर्ण करने के निर्देश संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिए।

बैठक में उज्जैन जिले में हरसिद्धि एवं भूखी माता मंदिरों का एकीकृत विकास कार्य, शनि मंदिर का जीर्णोद्धार एवं विकास कार्य, नारायण धाम का जीर्णोद्धार एवं विकास कार्य, सांदीपनि आश्रम, सिद्धवट घाट, गढ़कालिका मंदिर परिसर, चिंतामण गणेश मंदिर, मंगलनाथ मंदिर, 84 महादेव मंदिरों और कालभैरव मंदिर के उन्नयन और विकास के कार्यों की कार्ययोजना की अनुशंसा की गई। बैठक में खंडवा जिले में श्री ओंकारेश्वर मंदिर परिसर का विकास कार्य, खरगोन जिले में महेश्वर स्थित जालेश्वर महादेव, कालेश्वर महादेव और चिंतामणि गणेश मंदिर के कार्य की अनुशंसा की गई। बैठक में देवास जिले में देवी लोक निर्माण कार्य, नीमच जिले में श्री भादवा माता मंदिर परिसर विकास कार्य की अनुशंसा भी की गई।

राठौर समाज महिला मंडल ने मनाई सामूहिक भाई दूज

समाजबंधुओं को तिलक लगाकर किया सम्मान

उज्जैन। प्रदेश की धार्मिक राजधानी अवंतिका में राठौर समाज महिला मंडल सचिव निर्मला चौहान, राधा राठौर, कुसुम जोशी के संयोजन में सामूहिक भाई दूज का आयोजन किया गया।

सामूहिक भाई दूज कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मदरलैंड पब्लिक स्कूल की संचालिका आरती गोराना, राठौर समाज ट्रस्ट संरक्षक शिवनारायण राठौर, समाज अध्यक्ष पुरुषोत्तम राठौर, सचिव धर्मेंद्र मगरवा, संजय राठौर, नगर सभा अध्यक्ष छगनलाल राठौर, युवा संगठन संरक्षक संतोष राठौर, युवा अध्यक्ष जितेंद्र राठौर, निर्मला चौहान, राधा राठौर एवं कुसुम जोशी द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। अतिथि एवं सभी सामाजिक बंधुओं को तिलक लगाकर एवं समाज के वरिष्ठों का सम्मान कर भाई दूज का पर्व मनाया गया।

इस अवसर पर राधेश्याम चौहान, राजा मणि चौहान, बलराम चौहान, ललित चौहान, विष्णु चौहान, दिनेश राठौर, नरेंद्र राठौर, पत्रकार राजेन्द्र परमार, आशीष राठौर, महिला संगठन अध्यक्ष दुर्गा राठौर, अनीता राठौर कांटावाले, सीमा राठौर, किरण राठौर, उषा वर्मा, नीतू राठौर, लता राठौर, मधु राठौर, भावना राठौर, सुशिला चौहान, भावना चौहान, ब्रजबाला गहलोत सहित समाजजन एवं गणमान्यजन उपस्थिति रहे।

श्री हरि कामधेनु गौशाला पर किया गोवर्धन पूजन

उज्जैन। लालपुर स्थित मुख्यमंत्री द्वारा चलाए जा रहे गौ माता संरक्षण अभियान के तहत निराश्रित एवं सड़कों पर घूमने वाले गौ माता का श्री हरि कामधेनु गौशाला में दीपावली के पश्चात पड़वा के दिन गोवर्धन महाराज की विधि विधान से पूजा की गई। यहां लगातार 2 वर्षों से गौ माता के संचालक महिला समिति द्वारा योगिता पुरोहित और हेमा डोडिया द्वारा गौ सेवा की जा रही है। संचालक पंडित कृष्ण गुरुद्वारा ने कि आज के दिन योगेश्वर बाल रूप कृष्ण ने इंद्रदेव का घमंड दूर करने के लिए गोकुल गोवर्धन महाराज की पूजा की थी और सभी को उनके प्रकोप से बचाया था।

नव नियुक्त अध्यक्ष मोहम्मद मजहर का अभिनंदन किया

उज्जैन। बड़ी सब्जी मंडी स्थित कम्युनिटी हाल में कलाम सर्वधर्म सोशल वेलफेयर सोसाइटी द्वारा चित्रकला प्रतियोगिता कक्षा पांचवीं से आठवी के विद्यार्थियों के बीच आयोजित की गई।जिसमें 140 छात्र छात्राओं ने भाग ले कर आकृषित चित्र बनाए। कार्यक्रम के दौरान कलाम सर्व धर्म वेलफेयर सोसायटी ने राइन समाज के नव नियुक्त अध्यक्ष मोहम्मद मजहर राइन साहब का सोसायटी की तरफ से मुख्य अतिथि के रुप मे सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन इरफ़ान राइन नें किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में समाज के लोग और बच्चों उपस्थित थे।

पहली रोटी गाय की... ऐसी सनातनी विचारधारा के साथ मनेगा खण्डेलवाल समाज का अन्नकूट महोत्सव

सुबह गौ माता एवं संध्या में ठाकुरजी को समर्पित होंगे 56 नैवेद्य

उज्जैन। खण्डेलवाल वैश्य पंचायत द्वारा 26 अक्टूबर रविवार को समाज की गौरवशाली सामाजिक परपंरा अनुरूप अन्नकूट महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। जिसके अंतर्गत सुबह श्री तिलकेश्वर गौशाला में गौ माता को 56 नैवेद्य समर्पित किए जाएंगे एवं शाम 6 बजे बुधवारिया स्थित खण्डेलवाल वैश्य पंचायत भवन में विराजमान श्री राधाकृष्ण को 56 नैवेद्य समर्पित किए जाएंगे।

संरक्षक सिद्धेश्वर दास, अध्यक्ष गोविंद खंडेलवाल, सचिव अनिल सामरिया ने सभी खंडेलवाल समाजजन से अन्नकूट में सपरिवार उपस्थित रहने का अनुरोध करते हुए व्यवस्था बैठक में बताया कि इस वर्ष अन्नकूट महोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि समाजसेवी निकेश खण्डेलवाल, इंदौर शामिल रहेंगे। समाज के कई परिवार ठाकुरजी के नैवेद्य सेवा के लाभार्थी बन सके इसलिए संयोजक मंडल बनाया गया जिसके अंतर्गत श्री ओंकारलाल पारमार्थिक न्यास सांवेर, सविता गुप्ता सचिव रत्नप्रकाश सेवा फाउंडेशन, एन एल गुप्ता, कृष्णादेवी मोहनलाल बिमवाल, अंगूरबाई देवीलाल मेठी, लीलादेवी ओमप्रकाश बेवाल, स्व. रामकिशनजी एवं धापूबाई स्मृति में श्री रामेश्वर बढ़ाया, एवं श्री राजेंद्र मांगीलाल खारवाल इस वर्ष पुण्य लाभार्थी रहेंगे।

इस अवसर पर कोषाध्यक्ष गुलशन नाटाणी, उपाध्यक्ष राजेंद्र झालानी, समन्वयक राजेंद्र सोखिया, उत्सव प्रभारी देवेंद्र जंघीनिया, भवन प्रभारी मनीष मेहरवाल, कार्यकारिणी सदस्य धर्मेंद्र गुप्ता, अनिल गुप्ता सहित प्रवीण खण्डेलवाल, सुशील सामरिया, ओमप्रकाश माचीवाल, प्रकाश गुप्ता, सत्यनारायण नाटाणी, संजय मेहरवाल, मयंक मामोडिया, राजेंद्र मामोडिया, श्याम झालानी, आनंद बडेरा, राजीव झालानी, सरोज झालानी, रूपेश बूसर, आशीष मेठी सहित कई समाजजन उपस्थित रहे।

दौलतगंज होलसेल किराना मर्चेन्ट एसो. के व्यापारी सम्मान समारोह व मोहरत के सौदे हुए

उज्जैन। 24 अक्टूबर को दौलतगंज होलसेल किराना एसोसिएशन का दीपावली मिलन सम्मान समारोह आयोजित किया साथ ही मोहरत के सौदे हुए।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रुप में अनिल जैन विधायक उज्जैन उत्तर, विशेष अतिथि के रुप में भाजपा जिला अध्यक्ष संजय अग्रवाल मौजूद रहे। इस अवसर पर वरिष्ठ व्यापारी अशोक छाबड़िया (फर्म मंगुमल वस्सुमल) एवं मुन्नालाल बंसल (फर्म प्रांजल ट्रेडर्स) का अतिथियों के हस्ते शाल, श्रीफल व प्रशस्त्री पत्र से सम्मान किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अजय रोहरा ने की। अध्यक्ष अजय रोहरा ने स्वागत भाषण एवं अध्यक्षीय उद्बोधन में सबका स्वागत किया और सभी को दीपावली पर्व की शुभकामनाएँ दी। मुख्य अतिथि अनिल जैन ने सम्बोधित करते हुए कहा की व्यापारी, दलाल और श्रमिक तीनों के सामंजस्य से व्यापार संम्पन्न होता है। प्रधानमंत्री द्वारा जीएसटी 2.0 लागू करने के कारण व्यापार में लागत कम हुई है। उपभोक्ताओं को सस्ते दरों पर चीजें उपलब्ध हुई है। साथ ही उज्जैन के विकास के लिए इन्दौर गेट से निकास चौराहे तक एलिवेटेड ब्रिज का निर्माण शीघ्र ही प्रारंभ होने जा रहा है। साथ ही नए व्यापारी क्षेत्र के लिए अपने विचार रखें। इस अवसर पर विशेष अतिथि संजय अग्रवाल ने स्वदेशी के माध्यम से इस बार दिपावली विशेष उपलब्धियों से भरी रही है। इस वर्ष स्वदेशी वस्तुओं की बिक्री 25 से 30 प्रतिशत बढी है यह सब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लोकल से वोकल के प्रोत्साहन से संभव हुआ है। संस्था अध्यक्ष अजय रोहरा ने कहा कि जीएसटी का प्रतिमाह कर संग्रहण बढ़ रहा है यह हमारे देश की प्रगति और उन्नति का प्रतीक है। ये सब हम व्यापारीजगत के सहयोग से ही संभव हो पाया है। आभार प्रदर्शन संस्था के नवीन कांकरिया ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ व्यापारी दीपक मेड़तवाल, जयप्रकाश राठी, अशोक जैन, राधारमण नागर, विद्याभूषण जैन, चन्द्रप्रकाश गादिया, सुरेश सनमुखानी, अर्जुन भीमवानी, मुकेश सोनगरा, अभिषेक सोनगरा, अभय जैन, रमेश परवाल, शैलेन्द्र परमार, सनु रवि नाटानी, चेतन गुरुनानी, सूरज सामधानी, गौरव गर्ग, राजेन्द्र गर्ग, दिलीप बाकलीवाल, रौनक अग्रवाल, लोकेन्द गंगवाल, गगन जैन, शरद जैन, घनश्याम रामलानी, सुनिल जैन, घनश्याम रोहरा, सुरेन्द्र अग्रवाल, शंकर उत्तमानी, रमेश चोपड़ा, सुनिल लोढ़ा, मुरली भीमवानी, पवन बिंदल, पवन सिंहल, अनुज लोढ़ा, अशोक खंडेलवाल, सुनिल अग्रवाल इत्यादी उपस्थित थे। उक्त जानकारी कार्यक्रम संचालक एवं सचिव श्री अशीष जैन ने दी।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com